मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, सोमवार, 23 नवंबर 2026

संवत 2083, कार्तिक शुक्ल 14 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-10, अंक 77 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक



4 ▶▶ भारत निर्माण में एनसीसी की बदलती भूमिका और युवा शक्ति का नया दृष्टिकोण

फिल्मों में हीरो बनने से पहले तुषार कपूर ने डेविड धवन की तीन फिल्मों के सेट पर साखा था काम ◀◀ 6

पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा की मां सायरा मुंडा का निधन, सीएम हेमंत सोरेन ने जताया शोक

जमशेदपुर के टाटा मोटर्स अस्पताल में ली अंतिम सांस, स्वर्णरेखा बर्निंग घाट पर होगा अंतिम संस्कार



संवाददाता

रांची: झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा की मां सायरा मुंडा का सोमवार सुबह जमशेदपुर के टाटा मोटर्स अस्पताल में निधन हो गया। वह पिछले कुछ समय से बीमार चल रही थीं और अस्पताल में उनका उपचार जारी था। उनके निधन पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दुख जताते हुए शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

कुछ समय से चल रहा था इलाजः सायरा मुंडा पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थीं और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रही थीं। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें जमशेदपुर स्थित टाटा मोटर्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों की टीम लगातार उनकी देखभाल कर रही थी। हालांकि, उपचार के दौरान उनकी स्थिति नाजुक बनी रही और सोमवार सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली।

सीएम हेमंत सोरेन ने जताया दुख : सायरा मुंडा के निधन पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शोक व्यक्त किया है। उन्होंने शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट की।

स्वर्णरेखा घाट पर होगा अंतिम संस्कारः दिवंगत सायरा मुंडा का अंतिम संस्कार सोमवार को ही किया जाएगा। दोपहर एक बजे जमशेदपुर स्थित उनके घोड़ाबांधा आवास से अंतिम यात्रा निकलेगी। इसके बाद स्वर्णरेखा बर्निंग घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। परिजनों की ओर से अंतिम संस्कार की सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

कौशल प्रशिक्षण के बाद युवाओं को मिलेगा रोजगार, मुख्यमंत्री सौंपेंगे नियुक्ति पत्र

मुख्यमंत्री कौशल एवं रोजगार सम्मान समारोह आज, विभिन्न वर्गों के प्रशिक्षित युवाओं को मिलेगा नियुक्ति पत्र

संवाददाता

रांचीः झारखंड में कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं को रोजगार से जोड़ने की दिशा में राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। इसके तहत सोमवार, 23 नवंबर को रांची में मुख्यमंत्री कौशल एवं रोजगार सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन प्रशिक्षित युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। कार्यक्रम पूर्वाह्न 11:30 बजे प्रोजेक्ट भवन स्थित द्वितीय तल के सभागार में आयोजित होगा।

समारोह में अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री चमरा लिंडा तथा जल संसाधन एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

कल्याण विभाग के मार्गदर्शन में दिया गया प्रशिक्षणः इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन झारखंड सरकार के अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मार्गदर्शन में किया गया है। इसके लिए प्रेझा फाउंडेशन को विशेष प्रयोजन वाहिनी (एसपीवी) के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई है। कार्यक्रम के तहत विभिन्न वर्गों के युवाओं को रोजगारपरक कौशल का प्रशिक्षण देकर रोजगार के अवसरों से जोड़ने का प्रयास किया गया है।



युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहलः प्रेझा फाउंडेशन झारखंड सरकार के कल्याण विभाग से जुड़ी संस्था है, जो कौशल विकास और रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रमों के क्रियान्वयन का काम करती है। संस्था विशेष रूप से अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक और पिछड़े वर्ग के युवाओं को प्रशिक्षण उपलब्ध कराती है। विभिन्न रोजगारपरक क्षेत्रों में प्रशिक्षण देकर युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रयास किया जा रहा है।

घर में घुसकर ससुर और बहू की हत्या, धारदार हथियार से किया हमला

रात करीब दो बजे वारदात को दिया अंजाम, दो छोटे बच्चों के सिर से उठा मां का साया, जांच में जुटी पुलिस

गिरिडीहः जिले में एक ही परिवार के दो लोगों की हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई। पचंबा थाना क्षेत्र के रानीखावा स्थित सुंडीटोला में रविवार देर रात अज्ञात अपराधियों ने घर में घुसकर बुजुर्ग ससुर और उनकी बहू की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। मृतकों की पहचान 65 वर्षीय सुकर मंडल और 30 वर्षीय शीला मंडल के रूप में हुई है। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है।

रात करीब दो बजे घर में घुसे अपराधीः जानकारी के अनुसार, वारदात रविवार देर रात करीब दो बजे हुई। अपराधियों ने सुंडीटोला निवासी सुकर मंडल और उनकी बहू शीला मंडल पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में दोनों की मौत हो गई। एक ही घर में दो लोगों की हत्या की खबर फैलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर जुट गए। घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।



पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजाः घटना की सूचना मिलने के बाद पचंबा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, हत्या के पीछे की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं है। जांच में सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखा जा रहा है। पुलिस आसपास के लोगों और परिजनों से पूछताछ कर रही है, ताकि आरोपियों का पता लगाया जा सके।

सूरत में काम करते हैं शीला के पतिः मृतका शीला मंडल के पति जितेंद्र मंडल रोजगार के सिलसिले में गुजरात के सूरत में रहकर काम करते हैं। शीला अपने पीछे दो छोटे बच्चों को छोड़ गई हैं। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस वारदात के कारणों और इसमें शामिल लोगों की पहचान करने में जुटी है। अधिकारियों ने जल्द ही मामले का खुलासा करने की बात कही है।

प्रशिक्षित छात्र-छात्राओं का

मुख्यमंत्री कौशल एवं रोजगार सम्मान समारोह तथा

नियुक्ति पत्र
वितरण कार्यक्रम

यह प्रशिक्षण अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति,
अल्पसंख्यक और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार के मार्गदर्शन में
प्रेझा फाउंडेशन (विशेष प्रयोजन वाहिनी – SPV) के माध्यम से प्रदान किया गया है।

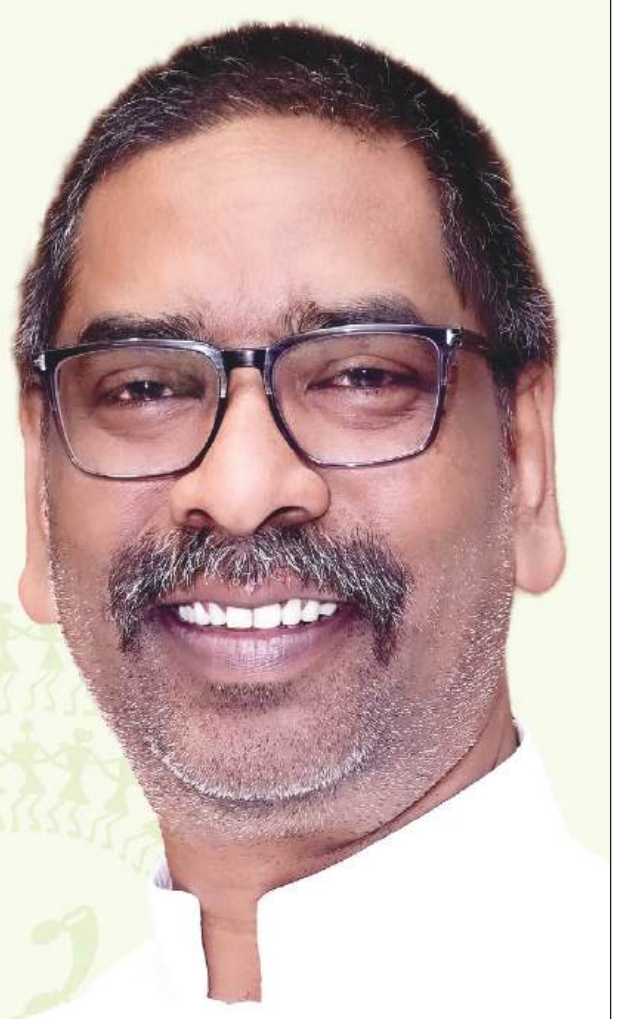

मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

श्री चमरा लिंडा
माननीय मंत्री, अनुसूचित जनजाति,
अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग

श्री हफीजुल हसन
माननीय मंत्री, जल संसाधन विभाग एवं
अल्पसंख्यक कल्याण विभाग

दिनांक: 23 नवम्बर, 2026 | समय: पूर्वाह्न 11:30 बजे
स्थान: प्रोजेक्ट भवन सभागार, द्वितीय तल

आप सादर आमंत्रित हैं

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, झारखण्ड

394385 (Schedule Tribe, Schedule Caste, Minority and Backward Class Welfare Department)26-27

सीआईएसएफ के तीन अधिकारियों पर सीबीआई का शिकंजा, रिश्वतखोरी मामले में चार्जशीट दाखिल

यात्रा और शिक्षा भत्ता बिल पास कराने के लिए मांगे थे 40 से 50 हजार

संवाददाता

रांचीः रांची स्थित सीआईएसएफ के क्षेत्रीय वेतन एवं लेखा कार्यालय में रिश्वतखोरी के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ी कार्रवाई की है। जांच एजेंसी ने सहायक लेखा अधिकारी सुनील कुमार समेत तीन आरोपियों के खिलाफ अदालत में चार्जशीट दाखिल की है। आरोपियों पर यात्रा और बाल शिक्षा भत्ता के बिल पास कराने तथा मूवमेंट ऑर्डर पर हस्ताक्षर करने के एवज में रिश्वत मांगने का आरोप है।



जांच के दौरान सीबीआई ने आरोपियों के खिलाफ पद का दुरुपयोग करने, रिश्वत मांगने और घूस स्वीकार करने से जुड़े अहम साक्ष्य जुटाए हैं। इसके आधार पर तीनों के विरुद्ध अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया गया है।

यात्रा और शिक्षा भत्ता के बिल पास कराने के लिए मांगी थी रिश्वत : मामले की शुरूआत उत्तर प्रदेश के प्रयागराज स्थित मेजा ऊर्जा निगम लिमिटेड (एनटीपीसी) में तैनात सीआईएसएफ के हेड कांस्टेबल रविकांत त्रिपाठी की शिकायत से हुई थी। उन्होंने 15 अगस्त 2026 को सीबीआई से शिकायत की थी। शिकायत में बताया था कि वह अपनी इकाई के यात्रा भत्ता और 10 बाल शिक्षा भत्ता के बिल जमा करने तथा भुगतान की प्रशासनिक स्वीकृति लेने के लिए रांची स्थित क्षेत्रीय वेतन एवं लेखा कार्यालय आए थे।

आरोप है कि बिल पास करने और भुगतान स्वीकृत करने के एवज में सहायक लेखा अधिकारी सुनील कुमार और लेखा अधिकारी संतोष कुमार महतो ने उनसे 40 से 50 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी।

मूवमेंट ऑर्डर पर हस्ताक्षर के लिए भी मांगे रुपयेः जांच के दौरान सीबीआई को तीसरे आरोपी सुजीत कुमार सिंह की भूमिका के बारे में भी जानकारी मिली। आरोप है कि उसने शिकायतकर्ता के रांची आगमन और आधिकारिक दौरे से संबंधित मूवमेंट ऑर्डर पर हस्ताक्षर करने के बदले अलग से रिश्वत मांगी थी। इसके लिए उसने प्रतिदिन 200 रुपये की दर से पैसे की मांग की थी।

47 हजार रुपये लेते दो अधिकारी गिरफ्तारः शिकायत मिलने के बाद सीबीआई की टीम ने 27 अगस्त को जाल बिछाकर कार्रवाई की थी। इस दौरान सहायक लेखा अधिकारी सुनील कुमार और लेखा अधिकारी संतोष कुमार महतो को 47 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया था। वहीं, उसी दिन तीसरे आरोपी सुजीत कुमार सिंह को भी 1400 रुपये रिश्वत लेते पकड़ा गया था। अब जांच पूरी होने के बाद तीनों आरोपियों के खिलाफ अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी गई है।

पारसनाथ से लौट रही श्रद्धालुओं की बस पलटी सूरत के दंपती की मौत, 12 से अधिक घायल

करीब 50 जैन श्रद्धालुओं को लेकर टाटानगर जा रही थी बस, पेड़ से टकराने के बाद गड्ढे में पलटी,स्थानीय लोगों ने चलाया राहत अभियान



संवाददाता

गिरिडीहः झारखंड के प्रसिद्ध जैन तीर्थस्थल पारसनाथ से दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं की बस मधुबन के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में सूरत निवासी पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 12 से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए। दुर्घटना रविवार देर रात हुई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला गया।

मिली जानकारी के अनुसार, गुजरात के सूरत से करीब 50 जैन श्रद्धालु पारसनाथ में दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए आए थे। दर्शन के बाद सभी श्रद्धालु बस से टाटानगर रेलवे स्टेशन जा रहे थे। इसी दौरान मधुबन से करीब एक किलोमीटर आगे चालक ने बस पर से नियंत्रण खो दिया। अनियंत्रित बस पहले सड़क किनारे एक पेड़ से टकराई और फिर गड्ढे में पलट गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। बस में सवार यात्रियों के बीच चीख-पुकार मच गई।

सूरत निवासी दंपती की मौके पर मौतः इस दुर्घटना में सूरत निवासी बाबूलाल वंशराज जैन और उनकी पत्नी बदामी देवी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बस में सवार एक दर्जन से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य में जुट गए। उन्होंने बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला।

गंभीर घायलों को दूसरे अस्पताल में किया गया रेफरः सभी घायलों को पीरटांड़ स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। गंभीर रूप से घायल कुछ श्रद्धालुओं को बेहतर इलाज के लिए अन्य अस्पतालों में रेफर किए जाने की सूचना है। हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौत से जैन समुदाय में शोक की लहर है। पारसनाथ की तीर्थयात्रा पर निकले श्रद्धालुओं के लिए यह यात्रा दर्दनाक हादसे में बदल गई।

चुटूपालू घाटी में दो ट्रेलरों की भीषण टक्कर, चालक और खलासी की मौत

एनएच-20 पर पांच घंटे तक ठप रहा यातायात, क्रेन से हटाए गए दुर्घटनाग्रस्त वाहन



संवाददाता

रांची/रामगढ़ः रांची-रामगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग-20 (पुराना एनएच-33) पर चुटूपालू घाटी में रविवार सुबह दो ट्रेलरों के बीच भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में चालक और खलासी की मौत हो गई। दुर्घटना सुबह करीब 9:30 बजे हुई। मृतकों की पहचान उत्तर प्रदेश के मैनपुरी निवासी अजय पाल (36) और रासवेंद्र (28) के रूप में हुई है।

हादसे के बाद चुटूपालू घाटी में करीब पांच घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। सुबह 9:30 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक वाहनों की आवाजाही बाधित रही। दुर्घटनाग्रस्त ट्रेलरों को क्रेन की मदद से हटाने के बाद यातायात बहाल किया गया। हालांकि, शाम तक सड़क के एक ओर से वाहनों को धीरे-धीरे निकाला जाता रहा।

पीछे से आ रहे ट्रेलर ने मारी टक्करः जानकारी के अनुसार, दोनों ट्रेलर रांची से रामगढ़ की ओर जा रहे थे। इसी दौरान आगे चल रहे ट्रेलर (नंबर जेएच 02 एई 6688) को पीछे से आ रहे दूसरे ट्रेलर ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पीछे चल रहे ट्रेलर का केबिन आगे वाले ट्रेलर के पिछले हिस्से में बुरी तरह फंस गया।

सूचना मिलने पर रामगढ़ पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद चालक और खलासी को बाहर निकाला गया। चालक की मौत घटनास्थल पर ही हो गई, जबकि घायल खलासी ने सदर अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

जयपुर से सामान अनलोड कर लौट रहे थे अजय पालः मृतक अजय पाल के परिजन और बरही में कोबरा में तैनात चालक रामवीर सिंह ने बताया कि अजय पाल उत्तर प्रदेश के मैनपुरी के रहने वाले थे। वह जयपुर से कंदरा में सामान अनलोड कर लौट रहे थे। रामवीर सिंह के अनुसार, हादसे से कुछ देर पहले उनकी अजय पाल से फोन पर बात हुई थी। उस समय अजय ने बताया था कि वह ठीक से आ रहे हैं। इसके कुछ देर बाद ही दुर्घटना की सूचना मिली।

पांच घंटे तक लगी रही वाहनों की कतारः दुर्घटना के बाद चुटूपालू घाटी में वाहनों की लंबी कतार लग गई। दुर्घटनाग्रस्त ट्रेलरों को हटाने के लिए क्रेन की मदद ली गई। दोपहर करीब 2:30 बजे यातायात बहाल हुआ। इसके बाद भी शाम तक सड़क के एक ओर से वाहनों को धीरे-धीरे निकाला जाता रहा।

24 घंटे बाद 3 से 5 डिग्री तक गिरेगा पारा, बढ़ेगी ठंड, रांची आने वाली नौ उड़ानें विलंब से पहुंचीं

28 नवंबर तक सुबह कोहरे का अनुमान, कोल्हान में बारिश की संभावना, खराब मौसम से हवाई यातायात प्रभावित



संवाददाता

रांची: झारखंड में अगले 24 घंटों के बाद न्यूनतम तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने की संभावना है। इससे सुबह और रात के समय ठंड और कनकनी बढ़ेगी। मौसम विभाग ने 28 नवंबर तक राज्य के विभिन्न हिस्सों में सुबह के समय हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा छाए रहने का अनुमान जताया है। रविवार को खराब मौसम का असर हवाई यातायात पर भी पड़ा। रांची आने वाली नौ उड़ानें विलंब से पहुंचीं, जबकि कोलकाता-रांची की एक उड़ान रद्द रही।

तापमान में गिरावट के साथ बढ़ेगी ठंडः भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, झारखंड में अगले दो दिनों तक मौसम का मिजाज बदला रहेगा। अगले 24 घंटों के बाद न्यूनतम तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट हो सकती है। इसके कारण सुबह और रात में ठंड का असर बढ़ेगा।

राज्य में 24 नवंबर से आसमान साफ होने का अनुमान है। इसके बाद दिन में धूप खिलेगी, हालांकि सुबह के समय कोहरे का प्रभाव बना रह सकता है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, 24 से 28 नवंबर तक सुबह में हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा छाए रहने की संभावना है।

कोल्हान में बारिश की संभावनाः मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार को कोल्हान और आसपास के दक्षिणी इलाकों में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। वहीं, राज्य के दक्षिणी, उत्तर-पश्चिमी और उससे सटे मध्य भागों में सुबह के समय घना कोहरा छाने की चेतावनी जारी की गई है।

कोडरमा में 54 मिमी बारिशः पिछले 24 घंटों के दौरान झारखंड के लगभग सभी स्थानों पर हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हुई। इस दौरान कोडरमा में सबसे अधिक 54 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। वहीं, रांची में शाम 5:30 बजे तक 4.1 मिलीमीटर, लातेहार में दो मिलीमीटर और खूंटी में करीब एक मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई।

खराब मौसम से नौ उड़ानें विलंब से पहुंचींः रविवार को राजधानी रांची में खराब मौसम का असर विमान परिचालन पर पड़ा। विभिन्न राज्यों में प्रतिकूल मौसम के कारण रांची आने वाली नौ उड़ानें निर्धारित समय से विलंब से पहुंचीं। वहीं, इंडिगो की कोलकाता-रांची उड़ान रद्द कर दी गई। इससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

इंडिगो की दिल्ली-रांची उड़ान सुबह 7:15 बजे के बजाय 10:18 बजे पहुंची, जबकि पुणे-रांची उड़ान 7:30 बजे की जगह 10:03 बजे आई। कोलकाता-रांची की एक उड़ान सुबह 8:15 बजे के बजाय 9:08 बजे पहुंची। एयर इंडिया एक्सप्रेस की बेंगलुरु-रांची उड़ान भी 9:30 बजे की जगह 9:50 बजे पहुंची। इसके अलावा इंडिगो की एक अन्य कोलकाता-रांची उड़ान सुबह 11:45 बजे के बजाय दोपहर 1:18 बजे पहुंची।

इस्लामिक क्विज प्रतियोगिता में द डिवाइन स्कूल ने हासिल किया दूसरा स्थान



रांची: मोमिन यूथ सोसाइटी की ओर से हज हाउस, कडरू, रांची में आयोजित इस्लामिक क्विज प्रतियोगिता ह्यजहनी आजमाइशह्न में द डिवाइन स्कूल के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में शहर के कुल 10 विद्यालयों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच द डिवाइन स्कूल के बच्चों ने अपने ज्ञान, प्रतिभा और आत्मविश्वास का परिचय देकर विद्यालय का नाम रोशन किया।

द डिवाइन स्कूल में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ विद्यार्थियों के बौद्धिक, नैतिक और व्यक्तित्व विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। विद्यालय के प्रधानाचार्य मो. माज के मार्गदर्शन में बच्चों को विभिन्न ज्ञानवर्धक गतिविधियों और प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

जहनी आजमाइश जैसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को इस्लामिक इतिहास, धार्मिक शिक्षाओं, नैतिक मूल्यों और सामान्य ज्ञान से परिचित कराने के साथ उनकी सोचने-समझने की क्षमता और आत्मविश्वास को भी बढ़ाती हैं।

इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। प्रधानाचार्य मो. माज ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों का मार्गदर्शन और बेहतर शैक्षणिक वातावरण ही सफलता की मजबूत नींव है।

विद्यालय परिवार ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए मोमिन यूथ सोसाइटी के प्रति आभार जताया। सोसाइटी ने विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए बेहतर मंच प्रदान किया।

अखिल भारतीय सवर्ण मोर्चा की झारखंड प्रदेश कार्यसमिति का विस्तार, कई पदाधिकारियों को मिली जिम्मेदारी

पांच उपाध्यक्ष, दो महासचिव और पांच सचिव नियुक्त;, प्रवक्ता व कई जिलाध्यक्षों के नामों की भी घोषणा

संवाददाता

रांची: अखिल भारतीय सवर्ण मोर्चा की झारखंड प्रदेश कार्यसमिति का विस्तार किया गया है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह के निदेर्शानुसार प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने रविवार को हटिया स्थित होटल पार्क इन में प्रेस वार्ता कर प्रदेश पदाधिकारियों और विभिन्न जिलों के अध्यक्षों की नियुक्ति की घोषणा की। इस दौरान नियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र भी सौंपे गए।

प्रदेश कार्यसमिति के पहले चरण के विस्तार में पांच उपाध्यक्ष, दो महासचिव, पांच सचिव के अलावा कार्यालय सचिव, प्रवक्ता, जिला प्रभारी और जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की गई है। संगठन में झारखंड के विभिन्न क्षेत्रों से लोगों को जिम्मेदारी दी गई है। प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने बताया कि संगठन विस्तार की अगली सूची भी तैयार की जा रही है, जिसे जल्द जारी किया जाएगा।

इस अवसर पर अखिल भारतीय सवर्ण मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव एवं झारखंड प्रदेश प्रभारी सुनील सिंह ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह पूरे उत्साह और मेहनत के साथ राज्य के विभिन्न हिस्सों से सशक्त लोगों को संगठन से जोड़ रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि संगठन आने वाले समय में झारखंड में सवर्ण समाज के अधिकारों को लेकर प्रभावी आंदोलन खड़ा करेगा।



प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने कहा कि झारखंड में सवर्ण समाज के हक और अधिकारों की लड़ाई मजबूती से लड़ने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य गठन के बाद से ही सवर्ण समाज की अनदेखी की जा रही है। समाज को भी कानून, बजट और सरकारी योजनाओं में समान अधिकार और अवसर मिलने चाहिए। सवर्ण मोर्चा इन मांगों को लेकर संघर्ष और आंदोलन करेगा।

नवनियुक्त पदाधिकारियों की सूची

- प्रदेश उपाध्यक्षः रविकांत मिश्रा उर्फ मुन्ना (देवघर), धर्मेंद्र कुमार सिंह उर्फ विशाल सिंह (रांची), सुशांत कुमार शुधांकर (धनबाद), संजीव कुमार मिश्रा (रांची) और अजय कुमार चौहान (लोहरदगा)।
- महासचिवः अनंत तिवारी (देवघर) और राघवेंद्र कुमार सिंह (रांची)।
- सचिवः अजय शंकर झा, संतोष कुमार, कुमार गौरव मिश्रा, अरविंद कुमार तिवारी और सुशील कुमार (सभी रांची)।
- प्रवक्ताः डॉ. धीरज कुमार सिंह और अमरेश कुमार पांडेय (रांची)।
- रांची जिला प्रभारीः अशोक कुमार सिंह।
- जिलाध्यक्षः रितेश कुमार (रांची), विजेंद्र कुमार पांडेय (रामगढ़), बसंत कुमार सिंह (धनबाद), ओम प्रकाश पाठक (चतरा) और सुबोध झा (साहेबगंज)।
- युवा मोर्चा साहेबगंज जिलाध्यक्षः नवीन दुबे।

नवनियुक्त पदाधिकारियों को संगठन की ओर से नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

दिल्ली व्यापार मेले में छाई झारखंड की मोती खेती, वन उत्पादों ने भी खींचा लोगों का ध्यान



रांची: नई दिल्ली में आयोजित भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला (आइआइटीएफ)-2026 में झारखंड पवेलियन आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यहां राज्य की मोती खेती, वन उत्पादों और आधुनिक मत्स्य पालन की तकनीकों को प्रदर्शित किया गया है। राज्य में मत्स्य उत्पादन बढ़ाने के लिए पारंपरिक तरीकों के साथ बायोफ्लॉक, केज कल्चर, मोती पालन और झींगा व मांगुर पालन जैसी आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

पवेलियन में मौजूद मत्स्य विशेषज्ञ बुधन सिंह पूर्ति ने बताया कि झारखंड के लगभग सभी जिलों में मोती पालन का विस्तार हो रहा है।

हजारीबाग में मोती उत्पादन को मिलेगा बढ़ावाः हजारीबाग को भारत सरकार की ओर से मोती पालन के विशेष क्लस्टर के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां बड़े पैमाने पर मोती उत्पादन का कार्य हो रहा है। भविष्य में अत्याधुनिक ब्रीड बैंक स्थापित करने की भी योजना है। उन्होंने बताया कि अब मेंटल ग्राफ्ट टिश्यू तकनीक अपनाई जा रही है। इसके तहत एक सीप में एक साथ सात से आठ मोती विकसित किए जा सकते हैं। इससे प्राप्त मोतियों में 97 से 98 प्रतिशत तक शुद्ध कैल्शियम काबोर्नेट होता है।

स्वरोजगार और वन उत्पादों को बढ़ावाः महिलाओं और युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए मछली बिक्री किट के साथ तीन और चार पहिया वाहनों का वितरण किया जा रहा है। जलाशयों और खदानों में मत्स्य पालन तथा बीमा योजनाओं को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

झारखंड पवेलियन में वन उत्पादों का स्टॉल भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यहां महुआ, साल पत्ता, इमली, लाख, शहद, बांस और केंदू पत्ता प्रदर्शित किए गए हैं। लाख की चूड़ियां, कंगन और महुआ के लड्डू भी आगंतुकों को आकर्षित कर रहे हैं।

बरही के दारोगा राजबल्लभ कुमार को मिलेगा वीरता पदक,गढ़वा में अपराधियों से मुठभेड़ में दिखाया था अदम्य साहस



बरही (हजारीबाग): झारखंड पुलिस के लिए गौरव की बात है। बरही थाना में पदस्थापित पुलिस अवर निरीक्षक राजबल्लभ कुमार का चयन वीरता पदक के लिए किया गया है। गढ़वा जिले में अपराधियों के साथ मुठभेड़ के दौरान अदम्य साहस और वीरता का परिचय देने के लिए उन्हें यह सम्मान दिया जाएगा। झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर 28 नवंबर को रांची में आयोजित समारोह में राज्यपाल और मुख्यमंत्री उन्हें सम्मानित करेंगे।

गढ़वा में मुठभेड़ के दौरान दिखाया था साहसः राजबल्लभ कुमार ने गढ़वा जिले में पदस्थापना के दौरान अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मुठभेड़ में बहादुरी का परिचय दिया था। इसी साहसिक कार्य के लिए उनका चयन वीरता पदक के लिए किया गया है। उनके चयन से पुलिस महकमे में खुशी का माहौल है।

पुलिस अधिकारियों ने दी बधाईः इस उपलब्धि पर बरही एसडीपीओ राधाप्रेम किशोर और थाना प्रभारी इंस्पेक्टर विनोद कुमार ने उन्हें बधाई दी है। इसके अलावा पुलिस अवर निरीक्षक संतोष कुमार, हरेंद्र सिंह, पृथ्वी हरिजन, शमशेर बहादुर सिंह, दशरथ महतो, रमेश यादव, सूर्यकांत कुमार और अरुण कुमार मुंडरी ने भी शुभकामनाएं दी हैं।

विशेष सत्र से पहले गरमाई झारखंड की सियासत आज सत्ता पक्ष और विपक्ष बनाएंगे रणनीति

एसआईआर और एमएमडीआर संशोधन कानून पर होगी चर्चा, निशा भगत प्रकरण भी बन सकता है सदन में बड़ा मुद्दा

संवाददाता

रांचीः झारखंड विधानसभा के दो दिवसीय विशेष सत्र से पहले राज्य की सियासत गरमा गई है। 25 और 26 नवंबर को होने वाले इस विशेष सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच कई मुद्दों पर तीखी बहस होने के आसार हैं। सदन में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और खनिज एवं खनिज विकास विनियमन (एमएमडीआर) संशोधन अधिनियम को लेकर सरकार और विपक्ष आमने-सामने हो सकते हैं। सत्र की रणनीति तैयार करने के लिए सोमवार को दोनों पक्षों के विधायक दल की



अलग-अलग बैठकें होंगी।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सोमवार को सत्तारूढ़ गठबंधन के मंत्रियों और विधायकों के साथ ऑनलाइन बैठक करेंगे। इसमें झामुमो, कांग्रेस, राजद और वाम दलों के विधायक शामिल होंगे। बैठक में विशेष सत्र के दौरान सरकार का पक्ष मजबूती से रखने, विपक्ष के सवालों का जवाब देने और गठबंधन के विधायकों के बीच बेहतर समन्वय बनाने पर चर्चा होगी।

वहीं, भाजपा विधायक दल की बैठक सोमवार शाम 4:30 बजे प्रदेश भाजपा कार्यालय में होगी। इसमें नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी समेत पार्टी के विधायक शामिल होंगे। बैठक में विशेष सत्र के दौरान सरकार को घेरने की रणनीति तैयार की जाएगी। भाजपा एसआईआर, राज्य की कानून-व्यवस्था और अन्य राजनीतिक मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगने की तैयारी में है।

एमएमडीआर और एसआईआर पर विशेष चर्चाः विशेष सत्र में केंद्र सरकार के एमएमडीआर संशोधन कानून और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर विशेष चर्चा प्रस्तावित है। राज्य सरकार का मानना है कि एमएमडीआर संशोधन से खनिज संपदा पर राज्य के आर्थिक हित प्रभावित होंगे। सरकार इस मुद्दे पर सदन में विरोध प्रस्ताव लाकर केंद्र सरकार को भेजने की तैयारी कर रही है।

वहीं, एसआईआर के तहत मतदाता सूची से पात्र नागरिकों के नाम हटने की आशंका को लेकर भी राज्य सरकार अपनी चिंताएं सदन में रखेगी। दूसरी ओर, भाजपा इन मुद्दों पर सरकार के रुख और उसके तर्कों को चुनौती दे सकती है। ऐसे में सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज होने की संभावना है।

निशा भगत की मौत का मामला भी उठ सकता हैः विशेष सत्र के दौरान आदिवासी कार्यकर्ता निशा भगत की मौत का मामला भी राजनीतिक बहस का हिस्सा बन सकता है। विपक्ष इस मामले में सरकार से जवाब मांग सकता है। इसके अलावा राज्य की कानून-व्यवस्था और अन्य जनहित से जुड़े मुद्दों पर भी सदन में सवाल उठने की संभावना है। सोमवार को दोनों पक्षों की बैठकों के बाद विशेष सत्र के लिए उनकी रणनीति और स्पष्ट हो जाएगी।

हाईकोर्ट में सरकार का खुलासाः थानों में सीसीटीवी लगाने के टेंडर का तकनीकी मूल्यांकन पूरा

वित्तीय मूल्यांकन के लिए सरकार ने मांगा तीन सप्ताह का समय, हाईकोर्ट ने टेंडर की प्रगति रिपोर्ट की तलब

संवाददाता

रांचीः राज्य के सभी पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की प्रक्रिया में तेजी आई है। राज्य सरकार ने सोमवार को झारखंड हाईकोर्ट को बताया कि सीसीटीवी लगाने के लिए जारी टेंडर का तकनीकी मूल्यांकन (टेक्निकल इवेलुएशन) पूरा कर लिया गया है। फिलहाल वित्तीय मूल्यांकन (फाइनेंशियल एसेसमेंट) की प्रक्रिया चल रही है। इसे पूरा करने के लिए सरकार ने अदालत से तीन सप्ताह का समय मांगा है।

मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले की अगली सुनवाई तीन



सप्ताह बाद निर्धारित करते हुए राज्य सरकार से टेंडर की प्रगति रिपोर्ट मांगी है। सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से तरुण महतो की पुलिस हिरासत में पिटाई से संबंधित जेल अधीक्षक की रिपोर्ट भी शपथ पत्र के माध्यम से प्रस्तुत की गई।

गौरतलब है कि पिछली सुनवाई में हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को टेंडर के तकनीकी मूल्यांकन की प्रक्रिया 20 नवंबर तक पूरी करने का निर्देश दिया था।

पुलिस हिरासत में पिटाई का मामलाः वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव में तरुण महतो झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के इचागढ़ प्रत्याशी थे। आरोप है कि 19 नवंबर 2025 की रात इचागढ़ पुलिस उन्हें पकड़कर थाने ले गई, जहां हिरासत में उनकी बेरहमी से पिटाई की गई और थर्ड डिग्री टॉर्चर किया गया। इस घटना को लेकर तरुण महतो की पत्नी ने हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखा था। पत्र पर अदालत ने स्वतः संज्ञान लेते हुए मामले की सुनवाई शुरू की थी। पूर्व की सुनवाई में कोर्ट ने सरायकेला के एसपी को संबंधित दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने का निर्देश दिया था।

मौत से कुछ घंटे पहले निशा भगत ने अधिवक्ता से मांगी थी कानूनी सलाह, सीबीआई ने दर्ज किया बयान

फेसबुक लाइव में लगाए थे सरकार और जमीन कारोबारियों पर उत्पीड़न के आरोप

मेट्रो रेज

रांचीः आदिवासी महिला कार्यकर्ता निशा भगत की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में सीबीआई ने जांच तेज कर दी है। जांच एजेंसी ने रविवार को सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता शिशिर राज का बयान दर्ज किया। बताया जा रहा है कि निशा भगत ने मौत से कुछ घंटे पहले अधिवक्ता शिशिर राज से फोन पर बातचीत कर अजय तिर्की के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने को लेकर सलाह मांगी थी। सीबीआई इस बातचीत को जांच के लिहाज से महत्वपूर्ण मान रही है।

अधिवक्ता शिशिर राज के अनुसार, निशा भगत ने पहली बार फोन कर अजय तिर्की के खिलाफ केस दर्ज कराने और कानूनी कार्रवाई को लेकर सलाह मांगी थी। इस पर उन्होंने कहा था कि पहले वह पूरे मामले को समझेंगे और उसके बाद कानूनी राय देंगे। कुछ समय बाद निशा ने दोबारा फोन किया।



एयरपोर्ट जाते समय आया था दूसरा फोनः शिशिर राज ने सीबीआई को बताया कि दूसरी बार जब निशा का फोन आया, उस समय वह एयरपोर्ट जा रहे थे। रास्ते में होने के कारण फोन पर आवाज स्पष्ट सुनाई नहीं दे रही थी। उन्होंने निशा से एयरपोर्ट पहुंचने के बाद दोबारा फोन करने को कहा और कॉल काट दी।

इसके बाद उन्होंने खुद निशा को फोन करने की कोशिश की, लेकिन संपर्क नहीं हो सका। कुछ देर बाद उन्हें निशा की मौत की खबर मिली। सीबीआई ने उनसे बातचीत के समय और परिस्थितियों को लेकर विस्तार से पूछताछ की। जांच टीम का नेतृत्व कर रहे डीआईजी (दिल्ली) ने भी उनसे सवाल-जवाब किए।

'इतनी बेबाक महिला आत्महत्या कर सकती है, यकीन नहीं होता': पूछताछ के दौरान अधिवक्ता शिशिर राज ने कहा कि उन्हें यकीन नहीं हो रहा है कि इतनी बेबाक महिला आत्महत्या कर सकती है। मौत से कुछ घंटे पहले निशा का उनसे कानूनी सलाह मांगना अब जांच का अहम पहलू बन गया है।

फेसबुक लाइव में लगाए थे गंभीर आरोपः गौरतलब है कि छह नवंबर को आदिवासी कार्यकर्ता निशा भगत की कथित आत्महत्या से मौत हो गई थी। इससे पहले उन्होंने फेसबुक लाइव के माध्यम से राज्य सरकार और जमीन के कारोबारियों पर उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए थे। उनके माता-पिता, जिनमें झारखंड आंदोलनकारी आनादु भगत भी शामिल हैं, ने मौत के पीछे साजिश की आशंका जताते हुए सीबीआई जांच की मांग की थी। परिजनों की मांग के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मामले की सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। जांच अपने हाथ में लेने के बाद सीबीआई ने अजय तिर्की और ज्योत्सना केरकेट्टा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की।

राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी लिया था संज्ञानः इस मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग ने सात नवंबर को स्वतः संज्ञान लिया था। आयोग ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध जांच करने और सात दिनों के भीतर कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया था। आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने भी मामले की जानकारी लेने के लिए रांची का दौरा किया था।

अब सीबीआई जांच में यह पता लगाना अहम होगा कि मौत से पहले निशा भगत किन परिस्थितियों से गुजर रही थीं और उनकी ओर से लगाए गए आरोपों की सच्चाई क्या थी।

महिला सशक्तिकरण के संकल्प के साथ निकली पदयात्रा नुक्कड़ नाटक से दिया समानता का संदेश

अखिल भारतीय महिला सम्मेलन के शताब्दी वर्ष पर आयोजन, महिलाओं को समान अधिकार, सुरक्षा और अवसर देने की उठी मांग

मेट्रो रेज

रांचीः अखिल भारतीय महिला सम्मेलन के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में रविवार को राजधानी रांची में सम्मेलन की सभी शाखाओं की ओर से महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से पदयात्रा निकाली गई। सशक्त नारी, सुदृढ़ राष्ट्र के संकल्प के साथ पदयात्रा सुबह सात बजे बरियातू रोड स्थित आरोग्य भवन से शुरू हुई। यह करमटोली चौक तक गई और वहां से वापस आरोग्य भवन पहुंचकर संपन्न हुई।

इस दौरान महिलाओं की सामाजिक भूमिका, सुरक्षा, समान अधिकार और विकास में समान भागीदारी के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से नुक्कड़ नाटक का मंचन भी किया गया। इसके माध्यम से महिला सशक्तिकरण और महिलाओं को समान अवसर उपलब्ध कराने का संदेश दिया गया।



स्वर कोकिला और नाइटिंगेल ऑफ इंडिया के नाम से प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी सरोजिनी नायडू द्वारा स्थापित अखिल भारतीय महिला सम्मेलन के शताब्दी वर्ष पर आयोजित इस कार्यक्रम में सम्मेलन की अध्यक्ष मीना सिंह ने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण उनके परिवार के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए भी बेहद जरूरी है। आधी आबादी को कमजोर रखकर न तो परिवार आगे बढ़ सकता है और न ही देश का समग्र विकास संभव है।

सम्मेलन की सचिव अनुपमा प्रसाद ने कहा कि वर्तमान परिवेश और बदलते सामाजिक परिदृश्य में सशक्त नारी, सुदृढ़ राष्ट्र का संकल्प लेना बेहद जरूरी है। महिलाओं को सशक्त बनाकर ही परिवार, समाज और देश के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है। उन्होंने सभी से महिलाओं को समान अधिकार और अवसर देने के साथ उनके सशक्तिकरण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

नुक्कड़ नाटक के बाद एकता राय ने महिला सशक्तिकरण विषय पर अपनी कविता प्रस्तुत की।

कार्यक्रम में अध्यक्ष मीना सिंह, सचिव अनुपमा प्रसाद, कुमकुम गौड़, नैना तनेजा, इंदिरा शुक्ला, सतनाम सलूजा, मंजुला जायसवाल, आराधना शुक्ला, राका ठाकुर, अनुपमा सिंह, किरण सिंह, नूतन मिश्रा, सुचित्रा अग्रवाल और मंदिरा भाटिया सहित सम्मेलन की कई पदाधिकारी, सदस्य एवं अतिथि उपस्थित थे।

रेलवे की घेराबंदी से एक दर्जन गांवों का रास्ता बंद, करोड़ों की लागत से बना पुल बेकार

अनगड़ा में लोहे के खंभे लगाकर रोका आवागमन, ग्रामीणों ने रेलवे से की अंडरपास बनाने की मांग

रांची : अनगड़ा प्रखंड में करोड़ों रुपये की लागत से बनाया गया पुल अब ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बन गया है। खेरवाकोचा-हेसलाबेड़ा गिरजा टोली के समीप गुंगानाला पर बने उच्चस्तरीय पुल का समुचित लाभ लोगों को नहीं मिल पा रहा है। पुल के ठीक बगल से रांची-मुरी डाउन रेलवे लाइन गुजरती है। सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए रेलवे ने 20 नवंबर को पुल के पास लोहे के खंभे लगाकर घेराबंदी कर दी। इससे पैदल आवागमन का रास्ता भी पूरी तरह बंद हो गया है। नतीजतन, क्षेत्र के करीब एक दर्जन गांवों और टोलों के लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

करोड़ों खर्च होने के बाद भी ग्रामीणों के काम नहीं आया पुलः ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, रांची की ओर से वर्ष 2017-18 में गुंगानाला पर इस उच्चस्तरीय पुल का निर्माण कराया गया था। इस पर करोड़ों रुपये खर्च किये गये थे। पुल निर्माण के तुरंत बाद ही रेलवे ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए लोहे के खंभे लगाकर बड़े वाहनों की आवाजाही रोक दी थी। हालांकि, इसके बावजूद हेसलाबेड़ा क्षेत्र के ग्रामीण पिछले छह-सात वर्षों से इस रास्ते का इस्तेमाल पैदल, साइकिल और बाइक से करते आ रहे थे।

इस रास्ते से ग्रामीणों को अनगड़ा प्रखंड मुख्यालय और गोंदलीपोखर बाजार पहुंचने में काफी सहूलियत होती थी। लेकिन 20 नवंबर को रेलवे की ओर से की गयी नयी घेराबंदी के बाद पैदल आने-जाने का रास्ता भी बंद हो गया है। इससे ग्रामीणों की मुश्किलें और बढ़ गयी हैं।

सांसद-विधायक से लगायी गुहार, अब तक नहीं हुई ठोस पहलः ग्रामीणों का कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च कर पुल का निर्माण कराया गया, लेकिन आज तक इसका समुचित उपयोग नहीं हो सका। रेलवे लाइन की निकटता के कारण शुरूआत से ही आवागमन पर पाबंदियां रही हैं। इस समस्या को लेकर कई बार स्थानीय सांसद और विधायक को भी अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई।

रेलवे से अंडरपास निर्माण कराने की मांगः रेलवे की घेराबंदी के बाद करीब एक दर्जन गांवों के लोगों के सामने आवागमन का संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने रेलवे से जनहित में जल्द सब-वे (अंडरपास) का निर्माण कराने की मांग की है। उनका कहना है कि अंडरपास बनने से रेलवे लाइन के पास से गुजरने की जरूरत नहीं पड़ेगी और लोगों का आवागमन सुरक्षित तरीके से बहाल हो सकेगा। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से मामले में हस्तक्षेप कर जल्द समस्या का समाधान करने की अपील की है।

सुदेश महतो की महिलाओं से अपील, नशे के खिलाफ घर से शुरू करें जागरूकता अभियान

आजसू के महिला सम्मेलन में संगठन विस्तार पर जोर, पंचायत स्तर पर गठित होगी महिलाओं की टीम

रांचीः आजसू पार्टी ने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और राजनीति व सामाजिक कार्यों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की पहल तेज कर दी है। इसी क्रम में रविवार को पार्टी के प्रधान कार्यालय के समीप आम बागान में प्रखंड स्तरीय महिला सम्मेलन आयोजित किया गया। इसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष सोमरी देवी ने की।

सम्मेलन में आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सह पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने



महिलाओं से संगठित होकर क्षेत्र के विकास और जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आने का आह्वान किया। इस दौरान महिलाओं के अधिकार, सम्मान, स्वावलंबन और क्षेत्र की समस्याओं पर भी चर्चा हुई।

महिलाओं की भागीदारी से समाज में आयेगा सकारात्मक बदलाव : सम्मेलन को संबोधित करते हुए सुदेश कुमार महतो ने कहा कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महिलाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। महिलाओं को संगठित होकर सामाजिक और विकास कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। उन्होंने युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर चिंता जताते हुए माताओं और बहनों से इसके खिलाफ अभियान की शुरूआत घर और परिवार से करने की अपील की। उन्होंने कहा कि परिवार में जागरूकता बढ़ाकर युवाओं को नशे से दूर रखने में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

पंचायत स्तर पर गठित होगी महिलाओं की टीमः सम्मेलन में संगठन को मजबूत करने और महिलाओं की राजनीतिक व सामाजिक भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। प्रखंड की प्रत्येक पंचायत से महिलाओं का चयन किया गया। इनके माध्यम से पंचायत स्तर पर संगठनात्मक टीम तैयार की जायेगी। यह टीम महिलाओं के सशक्तीकरण, अधिकारों और सम्मान के साथ-साथ क्षेत्र के विकास से जुड़े मुद्दों पर काम करेगी। महिलाओं को संगठन से जोड़ने और नेतृत्व की जिम्मेदारी देने पर भी चर्चा हुई।

चुनाव के बाद विकास कार्यों की गति धीमी होने का आरोपः सम्मेलन में शामिल महिलाओं ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को उठाया। पूर्व प्रखंड प्रमुख सह मुखिया रेखा देवी, बालिका रानी, पूर्व पंचायत समिति सदस्य उर्मिला देवी, रीता महली, परमेश्वरी देवी, गीता देवी, प्रमिला देवी और प्रियंका देवी ने कहा कि चुनाव के बाद क्षेत्र में विकास कार्यों की गति धीमी पड़ गयी है।

टाना भगत इंडोर स्टेडियम में सजी भारतीय संस्कृति की छटा 600 से अधिक विद्यार्थियों ने दी रंगारंग प्रस्तुति

भारत : द सोल ऑफ इंडिया वार्षिक सांस्कृतिक समारोह में लोकनृत्य, संगीत और नाटिका के जरिए दिखी देश की विविध सांस्कृतिक विरासत

मेट्रो रेज

रांचीः टाना भगत इंडोर स्टेडियम, खेलगांव में रविवार को भारत : द सोल ऑफ इंडिया वार्षिक सांस्कृतिक समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 600 से अधिक विद्यार्थियों ने नृत्य, संगीत और रंगारंग प्रस्तुतियों के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और गौरवशाली परंपराओं को जीवंत कर दिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद डॉ. महुआ माजी ने किया। समारोह में पंजाब, उत्तराखंड, सिक्किम, गोवा, तमिलनाडु और महाराष्ट्र की लोकसंस्कृति एवं परंपराओं पर आधारित प्रस्तुतियां आकर्षण



का केंद्र रहीं। विशेष रूप से भारत की बेटी थीम पर आधारित नृत्य-नाटिका के माध्यम से नारी शक्ति, महिला सशक्तीकरण और सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया गया।

मेरे नेक कदम की संस्थापक एवं निदेशक बिप्सा सिंह ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि बच्चों में संस्कार, आत्मविश्वास और भारतीय संस्कृति के प्रति गौरव की भावना विकसित करना भी है।

कार्यक्रम का समापन देश रंगीला की शानदार प्रस्तुति के साथ हुआ। इस अवसर पर शिक्षा जगत की कई प्रतिष्ठित हस्तियां और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।





पुंदाग मंदिर में 295वां अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद तीन हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने किये दर्शन

संवाददाता

रांचीः पुंदाग स्थित श्री राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर में रविवार को 295वें श्रीकृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। इस अवसर पर तीन हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने भगवान राधा-कृष्ण के दर्शन किये और पूजा-अर्चना में भाग लिया। मंदिर में राधा रानी का आकर्षक श्रृंगार किया गया था। पूरे परिसर में भक्ति और उत्साह का माहौल रहा।

विधि-विधान से पूजा के बाद चढ़ाया गया महाप्रसाद का भोगः कार्यक्रम के तहत दोपहर 12 बजे मंदिर के पुजारी पंडित अरविंद कुमार पांडेय ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान को महाप्रसाद का भोग लगाया। इसके बाद श्रद्धालुओं के बीच सब्जियों से तैयार खिचड़ी का वितरण किया गया। एक हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया।

भजन संध्या और महाआरती में झूमे श्रद्धालुः महाप्रसाद वितरण के बाद मंदिर परिसर में भजन संध्या का आयोजन किया गया। भक्ति गीतों की प्रस्तुति पर श्रद्धालु भावविभोर होकर झूम उठे। इसके बाद सामूहिक महाआरती हुई, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने शामिल होकर भगवान राधा-कृष्ण की आराधना की।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

शास्त्रों से ऊपर मां का स्थान: शंकराचार्य से योगी आदित्यनाथ तक

भारतीय संस्कृति, आध्यात्म और सनातन परंपरा में संन्यास को जीवन का सर्वोच्च और सबसे कठिन आश्रम माना गया है। संन्यास का अर्थ ही है, सांसारिक मोह-माया, रक्त संबंधों, कुटुम्ब, राग-द्वेष और व्यक्तिगत पहचान का पूर्णतः परित्याग। शास्त्रों के अनुसार, संन्यासी के लिए समस्त विश्व ही उसका परिवार होता है और वह अपने पूर्वाश्रम के माता-पिता, भाई-बंधु और कुल के बंधनों से मुक्त हो जाता है। किंतु, इसी कठोर वैराग्य और शास्त्रीय मयार्दा के बीच एक ऐसा भावुक और शाश्वत सत्य विद्यमान है, जिसके समक्ष स्वयं विधि के विधान और संन्यास के नियम भी नतमस्तक हो जाते हैं और वह सत्य है 'माँ'। जब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ अपनी माता सावित्री देवी के निधन की सूचना पाकर समस्त राजकीय कार्यों को स्थगित कर उत्तराखंड के अपने पैतृक गांव पंचूर पहुंचे और नम आंखों से मां की अर्थी को कंधा दिया, तो संपूर्ण देश के मानस पटल पर आठवीं शताब्दी का वह ऐतिहासिक और मार्मिक दृश्य जीवंत हो उठा, जब अद्वैत वेदांत के प्रणेता आद्य गुरु शंकराचार्य ने संन्यास की समस्त परंपराओं को लांघते हुए केरल के कालडी में अपनी माता आर्याम्बा का अंतिम संस्कार संपन्न किया था।

मनुष्य के अस्तित्व की प्रथम इकाई माँ है। जिस क्षण जीव इस धरती पर आंख खोलता है, उसके लिए ईश्वर का प्रथम साक्षात्कार माँ के रूप में ही होता है। माँ के आंचल की छाया में मनुष्य स्वयं को पहचानता है, उसके वात्सल्य और दुग्ध से पुष्ट होकर इस संसार की चुनौतियों का सामना करने योग्य बनता है। भारतीय वाङ्मय, वेदों, उपनिषदों, आरण्यक ग्रंथों, स्मृतियों और पुराणों में माँ की महिमा का जो गान किया गया है, वह विश्व के किसी भी साहित्य में दुर्लभ है।

वैदिक साहित्य के प्रमुख ग्रंथ तैत्तिरीय उपनिषद (शिक्षावल्ली, अनुवाक 11) में जब गुरु अपने शिष्य की शिक्षा पूर्ण होने पर उसे जीवन का अंतिम और सर्वोच्च उपदेश देते हैं, तो वे कहते हैं, ₹मातृदेवो भव। पितृदेवो भव। आचार्यदेवो भव। अतिथिदेवो भव।₹ इस मंत्र में सबसे पहला स्थान माता को दिया गया है। पिता और आचार्य का स्थान माता के बाद आता है। यह क्रम केवल संयोग नहीं, बल्कि भारतीय दर्शन की गहरी मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक समझ का परिचायक है। अर्थात, दस उपाध्यायों से बढ़कर एक आचार्य होता है, सौ आचार्यों से बढ़कर एक पिता होता है, और हजार पिताओं से भी अधिक गौरवशाली एक माता होती है। महाभारत के वनपर्व (यक्ष-युधिष्ठिर संवाद) में जब यक्ष धर्मराज युधिष्ठिर से पूछते हैं कि भूमि से भी भारी (गुरुतर) क्या है, तो युधिष्ठिर उत्तर देते हैं, ₹माता गुरुतरा भूमेः₹ अर्थात माता का स्थान इस विशाल पृथ्वी से भी अधिक भारी और श्रेष्ठ है। स्कंद पुराण और पद्म पुराण में भी यह उल्लेख मिलता है कि समस्त तीर्थों का फल माता के चरणों में ही निहित है। भारतीय आध्यात्मिक इतिहास में यदि किसी ने संन्यास की परंपरा को सर्वाधिक सुदृढ़ और सुव्यवस्थित किया, तो वे आद्य गुरु शंकराचार्य थे। आठवीं शताब्दी में केरल के कालडी ग्राम में शिवगुरु और आर्याम्बा के घर जन्मे शंकर ने बाल्यावस्था में ही संन्यास लेने का निश्चय कर लिया था। माधवीय 'शंकर दिग्विजय' (जो शंकराचार्य के जीवन का सबसे प्रामाणिक ऐतिहासिक व आध्यात्मिक ग्रंथ माना जाता है) और चिद्विलास कृत 'शंकर विजयविलास' में इस घटना का अत्यंत हृदयस्पर्शी वर्णन मिलता है। जब बालक शंकर ने अपनी विधवा माता आर्याम्बा से संन्यास की अनुमति मांगी, तो ममतामयी मां का हृदय कांप उठा। एकमात्र संतान के वैराग्य की बात सुनकर वे व्याकुल हो उठीं। ग्रंथों के प्रमाणों के अनुसार, पूर्णा नदी में मगरमच्छ द्वारा पैर पकड़े जाने के प्रसंग के बाद जब माता ने विवश होकर शंकर को संन्यास की अनुमति दी, तो उन्होंने एक वचन मांगा। आर्याम्बा ने कहा कि संन्यास के बाद तुम कहीं भी रहो, किंतु मेरे अंतिम समय में तुम अवश्य आओगे और अपने हाथों से मेरा दाह संस्कार करोगे। बालक शंकर ने बिना किसी संकोच के अपनी मां को यह वचन दे दिया कि वे अंतिम समय में अवश्य उपस्थित होंगे। वर्षों बाद, जब शंकराचार्य संपूर्ण भारतवर्ष में सनातन धर्म की दिग्विजय यात्रा पर थे और शृंगेरी मठ में निवास कर रहे थे, तब उन्हें अपनी योगशक्ति से आभास हुआ कि कालडी में उनकी माता आर्याम्बा का अंतिम समय निकट आ गया है। संन्यास धर्म के नियमों के अनुसार, एक संन्यासी को अपने पूर्वाश्रम के घर नहीं जाना चाहिए और न ही वह किसी के अंतिम संस्कार में अग्नि दे सकता है, क्योंकि संन्यासी स्वयं अपना पिंडदान और श्राद्ध संन्यास ग्रहण करते समय ही कर चुका होता है, परंतु शंकराचार्य के समक्ष शास्त्रीय मयार्दा से बड़ा वह मातृ-वचन था, जो उन्होंने अपनी जननी को दिया था। वे तत्काल कालडी पहुंचे। माता आर्याम्बा ने अपने संन्यासी पुत्र को सामने पाकर परम शांति का अनुभव किया और अपने प्राण त्याग दिए। जब अंतिम संस्कार का समय आया, तो कालडी के रूढ़िवादी समाज और नंबूदिरी ब्राह्मणों ने शंकराचार्य का तीव्र विरोध किया। उनका तर्क था कि एक संन्यासी को दाह संस्कार करने का कोई अधिकार नहीं है। समाज ने शंकराचार्य को कोई सहयोग नहीं दिया, न तो किसी ने अर्थी उठाने में मदद की और न ही श्मशान तक जाने का मार्ग दिया। तब इतिहास ने वह अद्भुत और भावुक दृश्य देखा, जब जगतगुरु शंकराचार्य ने अपने ही घर के आंगन (पिछवाड़े) में केले के तनों और सूखी लकड़ियों की चिता सजाई, अपनी माता के पार्थिव शरीर को स्वयं कंधा देकर वहां रखा और अपनी योगशक्ति व मंत्रबल से अग्नि प्रज्वलित कर माता का अंतिम संस्कार संपन्न किया। आज भी केरल के कालडी में उस स्थान पर माता आर्याम्बा की समाधि विद्यमान है, जो इस बात का प्रमाण है कि संन्यास की कोई भी परंपरा मातृ-ऋण से बड़ी नहीं हो सकती। अपनी माता के अंतिम संस्कार और विदाई की उस असहनीय पीड़ा को आद्य गुरु शंकराचार्य ने जिन पांच श्लोकों में पिरोया, वह संस्कृत साहित्य में 'मातृपञ्चकम्' के नाम से अमर हो गया। अंतिम क्रिया के समय एक संन्यासी पुत्र के हृदय से निकला यह करुण क्रंदन किसी भी पाषाण हृदय को द्रवित कर सकता है-

इसी प्रकार, शक्ति की उपासना करते हुए शंकराचार्य ने 'देव्यपराधक्षमापन स्तोत्रम्' में भी जगतजननी मां के प्रति एक अबोध बालक के निश्छल समर्पण को अभिव्यक्त किया, ₹न मन्त्रं नो यन्त्रं तदपि च न जाने स्तुतिमहो... परं जाने मातस्त्वदनुसरणं क्लेशहरणम्₹ और अंत में वह कालजयी सत्य उद्घोषित किया कि ₹कुपुत्रो जायेत क्वचिदपि कुमाता न भवति₹ अर्थात संसार में पुत्र भले ही कुपुत्र हो जाए, किंतु माता कभी कुमाता नहीं हो सकती। आठवीं शताब्दी के उस ऐतिहासिक प्रसंग की स्मृतियाँ आज उस समय पुनः जीवंत हो उठीं, जब वर्तमान भारत के सबसे प्रभावशाली संन्यासी राजनेता और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपनी माता सावित्री देवी के निधन पर उनके अंतिम दर्शन और अंतिम यात्रा में सम्मिलित होने के लिए उत्तराखंड पहुंचे। योगी आदित्यनाथ नाथ संप्रदाय की सर्वोच्च पीठ गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर हैं। नाथ संप्रदाय में भी संन्यास की दीक्षा अत्यंत कठोर होती है। दीक्षा के उपरांत संन्यासी अपने पूर्वाश्रम के नाम, कुल, गोत्र और पारिवारिक संबंधों का पूर्णतः त्याग कर देता है। अजय सिंह बिष्ट से 'योगी आदित्यनाथ' बनने के बाद उन्होंने भी दशकों तक संन्यास के इस कठोर अनुशासन का अक्षरशः पालन किया, परंतु, शुक्रवार, 20 नवंबर को जब उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के यमकेश्वर ब्लॉक स्थित उनके पैतृक गांव पंचूर से 91 वर्षीय माता सावित्री देवी के निधन का समाचार आया, तो एक मुख्यमंत्री और एक कठोर संन्यासी के भीतर का 'पुत्र' जाग उठा।

क्वाडः सहयोग का मंच या शक्ति संतुलन की नई धुरी?

चीन की बढ़ती सैन्य सक्रियता, समुद्री विवाद, व्यापारिक निर्भरता और महत्त्वपूर्ण तकनीकों पर नियंत्रण की होड़ ने इस क्षेत्र को रणनीतिक दृष्टि से संवेदनशील बना दिया है। ऐसे समय में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया का चतुर्पक्षीय सहयोग समूह क्वाड भारत की हिंद-प्रशांत रणनीति का महत्त्वपूर्ण आधार बनकर उभरा है। इसका महत्त्व केवल चार देशों के आपसी सहयोग तक सीमित नहीं बल्कि एक ऐसी क्षेत्रीय व्यवस्था के निर्माण से जुड़ा है, जिसमें स्वतंत्रता, नियमों का सम्मान, आर्थिक सुरक्षा और सामूहिक विकास को प्राथमिकता मिले।

डॉ. प्रियंका सौरभ

हिंद-प्रशांत क्षेत्र आज विश्व राजनीति का ऐसा केंद्र बन चुका है, जहाँ समुद्री सुरक्षा, व्यापारिक हित, सामरिक प्रतिस्पर्धा और वैश्विक शक्ति-संतुलन एक-दूसरे से जुड़े हैं। चीन की बढ़ती सैन्य सक्रियता, समुद्री विवाद, व्यापारिक निर्भरता और महत्त्वपूर्ण तकनीकों पर नियंत्रण की होड़ ने इस क्षेत्र को रणनीतिक दृष्टि से संवेदनशील बना दिया है। ऐसे समय में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया का चतुर्पक्षीय सहयोग समूह क्वाड भारत की हिंद-प्रशांत रणनीति का महत्त्वपूर्ण आधार बनकर उभरा है। इसका महत्त्व केवल चार देशों के आपसी सहयोग तक सीमित नहीं बल्कि एक ऐसी क्षेत्रीय व्यवस्था के निर्माण से जुड़ा है, जिसमें स्वतंत्रता, नियमों का सम्मान, आर्थिक सुरक्षा और सामूहिक विकास को प्राथमिकता मिले। भारत की हिंद-प्रशांत नीति का उद्देश्य किसी सैन्य गुट का हिस्सा बनकर शक्ति प्रदर्शन करना नहीं बल्कि क्षेत्र में संतुलन, स्थिरता और सहयोग बनाए रखना है। क्वाड भारत को अपनी समुद्री, आर्थिक और तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करने का अवसर देता है। हिंद महासागर भारत की आर्थिक जीवनरेखा है। देश का व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय संपर्क समुद्री मार्गों पर निर्भर हैं। मलक्का जलडमरूमध्य, होर्मुज जलडमरूमध्य और हिंद महासागर के प्रमुख व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा भारत के आर्थिक हितों से सीधे जुड़ी है। इन क्षेत्रों में किसी भी तनाव, अवरोध या समुद्री असुरक्षा का प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। क्वाड के माध्यम से समुद्री निगरानी, सूचनाओं के आदान-प्रदान, समुद्री डकैती की रोकथाम और सुरक्षित नौवहन में सहयोग बढ़ाया जा सकता है। क्वाड का दूसरा महत्त्वपूर्ण पक्ष क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन है। दक्षिण चीन सागर में विवाद, समुद्री सीमाओं को लेकर तनाव और एकतरफा गतिविधियाँ छोटे देशों की सुरक्षा संबंधी चिंताओं को बढ़ाती हैं। भारत ऐसी व्यवस्था का समर्थक है, जिसमें सभी देशों को अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार अपने अधिकारों का उपयोग करने की स्वतंत्रता मिले। क्वाड इस दृष्टिकोण को सामूहिक स्वर प्रदान करता है। इसके माध्यम से भारत क्षेत्रीय शांति, समुद्री स्वतंत्रता और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान की वकालत कर सकता है। यह चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच संतुलन बनाए रखने का अवसर भी है लेकिन भारत की नीति टकराव के बजाय संयम और कूटनीति पर आधारित रहनी चाहिए। आर्थिक सुरक्षा के क्षेत्र में भी क्वाड की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। वैश्विक संकटों, युद्धों और महामारी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कुछ सीमित देशों पर अत्यधिक निर्भर आपूर्ति व्यवस्था अर्थव्यवस्था को कमजोर कर सकती है। औषधियों, अर्धचालकों, दुर्लभ खनिजों, ऊर्जा और तकनीकी उपकरणों की आपूर्ति में विविधता लाना अब आर्थिक विवशता नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की आवश्यकता बन गया है। क्वाड के सहयोग से भारत को निवेश, विनिर्माण, नई तकनीकों और वैश्विक व्यापार में अपनी भूमिका बढ़ाने का अवसर मिल सकता है। इससे भारत को केवल बाजार के रूप में नहीं बल्कि उत्पादन और नवाचार के विश्वसनीय केंद्र के रूप में विकसित होने में सहायता मिलेगी। तकनीकी सहयोग क्वाड की भविष्यगत शक्ति का प्रमुख आधार है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, दूरसंचार, स्वच्छ ऊर्जा और डिजिटल ढाँचे जैसे क्षेत्रों में साझा प्रयास भारत की क्षमता को बढ़ा सकते हैं। आज साइबर हमले, संचार व्यवस्था में व्यवधान और समुद्र के भीतर बिछी संचार केबलों की सुरक्षा भी राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा हैं। यदि भारत इन क्षेत्रों में सहयोग के साथ अपनी अनुसंधान क्षमता, तकनीकी आत्मनिर्भरता और घरेलू उद्योग को विकसित करता है तो यह साझेदारी उसके दीर्घकालीन हितों के लिए लाभकारी होगी। क्वाड का मानवीय पक्ष भी कम महत्त्वपूर्ण नहीं है। वर्ष 2004 की हिंद महासागर सुनामी के बाद आपदा राहत और मानवीय सहायता के क्षेत्र में सहयोग की भावना ने इस समूह की प्रारंभिक पृष्ठभूमि तैयार की थी। आज जलवायु परिवर्तन, चक्रवात, समुद्री दुर्घटनाएँ, महामारी और प्राकृतिक आपदाएँ पूरे क्षेत्र के सामने साझा चुनौतियाँ हैं। राहत सामग्री, चिकित्सा सहायता, बचाव अभियान और आपदा के समय त्वरित समन्वय में क्वाड देशों का सहयोग अनेक जीवन बचा सकता है। भारत अपनी भौगोलिक स्थिति, अनुभव और मानवीय सहायता क्षमता के कारण इस क्षेत्र में प्रभावी भूमिका निभा सकता है। साथ ही, क्वाड भारत की पूर्व की ओर देखो नीति को मजबूती देकर आसियान देशों के साथ संबंधों को गहरा करने में सहायक है। फिर भी क्वाड की राह आसान नहीं है। चारों देशों के राष्ट्रीय हित और रणनीतिक प्राथमिकताएँ हमेशा एक जैसी नहीं होतीं। भारत अपनी स्वतंत्र विदेश नीति और सामरिक स्वायत्तता को सर्वोच्च महत्त्व देता है। वह किसी एक शक्ति के प्रभाव में अपनी निर्णय क्षमता सीमित नहीं करना चाहता। दूसरी ओर, चीन के प्रति सदस्य देशों के दृष्टिकोण में भी अंतर है। चीन के साथ आर्थिक संबंध, क्षेत्रीय व्यापार और कूटनीतिक आवश्यकताएँ कई देशों को संतुलित व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करती हैं। यही कारण है कि क्वाड के भीतर साझा सहमति बनाना और उसे प्रभावी कार्रवाई में बदलना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। एक अन्य चुनौती यह है कि क्वाड कोई औपचारिक सैन्य गठबंधन नहीं है। इसके निर्णय बाध्यकारी नहीं हैं और सहयोग के लिए स्पष्ट कार्यान्वयन व्यवस्था सीमित है। यदि बैठकें, घोषणाएँ और साझा वक्तव्य ठोस परिणामों में नहीं बदलते तो इसकी विश्वसनीयता प्रभावित हो सकती है। इसके अतिरिक्त, चीन की विरोधात्मक प्रतिक्रिया और क्षेत्रीय देशों की संवेदनशीलताएँ क्वाड के विस्तार तथा प्रभाव को सीमित कर सकती हैं। इसलिए भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि क्वाड किसी टकरावकारी समूह की छवि न बनाए बल्कि क्षेत्रीय देशों के विकास, सुरक्षा और स्वतंत्र निर्णय क्षमता का सम्मान करे।

भारत के लिए आगे का रास्ता स्पष्ट है। क्वाड को समुद्री सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, तकनीकी सहयोग, आर्थिक साझेदारी और आपूर्ति व्यवस्था की मजबूती जैसे व्यावहारिक क्षेत्रों में परिणाम देने चाहिए। आसियान की केंद्रीय भूमिका का सम्मान करते हुए छोटे और विकासशील देशों की आवश्यकताओं को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सहयोग का मूल्य केवल शक्ति के प्रदर्शन से नहीं बल्कि क्षेत्रीय देशों के जीवन में आने वाले सकारात्मक बदलाव से तय होना चाहिए।

क्वाड भारत के लिए अवसर भी है और कूटनीतिक परीक्षा भी। भारत को अपनी समुद्री शक्ति, आर्थिक क्षमता और तकनीकी विकास को मजबूत करते हुए स्वतंत्र विदेश नीति बनाए रखनी होगी। उसकी वास्तविक सफलता किसी गुट के साथ खड़े होने में नहीं बल्कि अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए क्षेत्रीय शांति और संतुलन स्थापित करने में है। यदि क्वाड सहयोग, विश्वास और साझा विकास का माध्यम बनता है तो यह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता का आधार बन सकता है। भारत की भूमिका इस संतुलन को बनाए रखने वाले देश की होनी चाहिए न कि किसी प्रतिस्पर्धा का मात्र सहभागी बनने की। यही भारत की रणनीतिक परिपक्वता और वैश्विक नेतृत्व की पहचान होगी।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भारत निर्माण में एनसीसी की बदलती भूमिका और युवा शक्ति का नया दृष्टिकोण

भारत में एनसीसीदिवस हर साल नवंबर महीने के चौथे रविवार को मनाया जाता है। साल 2026 में यह 22 नवंबर को एनसीसीका 79वां स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। 1948 में नवंबर के चौथे रविवार को ही राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की पहली यूनिट दिल्ली में स्थापित की गई थी। एनसीसी दिवस पर प्रश्न केवल यह नहीं होना चाहिए कि संगठन ने कितनी उपलब्धियां हासिल कीं, बल्कि यह भी होना चाहिए कि आने वाले भारत के निर्माण में उसकी भूमिका कितनी निर्णायक हो सकती है।

राकेश मिश्रा

वर्ष 2002 में मैं 2 यूपी आर्टिलरी एनसीसी का कैडेट था। एक प्रशिक्षण शिविर के दौरान हमारे कमान अधिकारी कर्नल त्रिपाठी ने वर्दी का महत्व समझाते हुए कहा था कि सेना हो या एनसीसी, वर्दी केवल पहनावा नहीं होती। वह त्याग, समर्पण, अनुशासन, जिम्मेदारी, सेवा और राष्ट्र के प्रति निष्ठा का प्रतीक है। उसकी गरिमा कभी कम नहीं होनी चाहिए। वर्षों बाद भी उनकी यह सीख मेरे मन में उतनी ही स्पष्ट है। आज समझ आता है कि एनसीसी का उद्देश्य केवल युवाओं को वर्दी पहनाना नहीं बल्कि उन्हें उस वर्दी के मूल्यों के अनुरूप चरित्रवान और जिम्मेदार नागरिक बनाना है।

भारत में एनसीसीदिवस हर साल नवंबर महीने के चौथे रविवार को मनाया जाता है। साल 2026 में यह 22 नवंबर को एनसीसीका 79वां स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। 1948 में नवंबर के चौथे रविवार को ही राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की पहली यूनिट दिल्ली में स्थापित की गई थी। एनसीसी दिवस पर प्रश्न केवल यह नहीं होना चाहिए कि संगठन ने कितनी उपलब्धियां हासिल कीं, बल्कि यह भी होना चाहिए कि आने वाले भारत के निर्माण में उसकी भूमिका कितनी निर्णायक हो सकती है। राष्ट्रीय कैडेट कोर ने 1948 से अब तक देश के युवाओं में अनुशासन, एकता और सेवा की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। रक्षा मंत्रालय की जनवरी 2026 की जानकारी के अनुसार, एनसीसी की पहुंच देश के 90 प्रतिशत से अधिक जिलों तक है। इसके कैडेटों की संख्या लगभग 20 लाख है और इनमें करीब 40 प्रतिशत बालिका कैडेट हैं। यह व्यापक पहुंच संगठन की ताकत है लेकिन अब अगला लक्ष्य केवल संख्या बढ़ाना नहीं बल्कि प्रशिक्षण की गुणवत्ता और उसके सामाजिक परिणामों को बेहतर बनाना होना चाहिए।

किसी कैडेट की सफलता केवल परेड में उसके प्रदर्शन या प्रमाणपत्र से नहीं मापी जानी चाहिए। यह भी देखा जाना चाहिए कि वह कठिन परिस्थिति में निर्णय कैसे लेता है, टीम के साथ कैसे काम करता है, तकनीक का उपयोग कितनी समझदारी से करता है और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी किस तरह निभाता है। एनसीसी को उपस्थिति और गतिविधियों के आधार पर ही नहीं बल्कि प्रशिक्षित युवा की वास्तविक क्षमता और उसके योगदान के आधार पर भी परखा जाना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देशभर में लगभग 75 हजार एनसीसी कैडेटों ने स्वेच्छा से नागरिक प्रशासन की सहायता, चिकित्सा सहयोग, राहत सामग्री वितरण और सामुदायिक सेवा जैसे कार्यों में भाग लिया। यह योगदान एनसीसी की उस क्षमता को सामने लाता है, जो सामान्य प्रशिक्षण से आगे बढ़कर राष्ट्रीय आवश्यकता के समय उपयोगी सिद्ध होती है। भारत भौगोलिक और जलवायु की दृष्टि से विविध चुनौतियों वाला देश है। कहीं बाढ़, कहीं भूस्खलन, कहीं चक्रवात तो कहीं अन्य प्राकृतिक आपदाएँ आती हैं। ऐसे में प्राथमिक उपचार, सुरक्षित निकासी, संचार, राहत प्रबंधन और नागरिक सुरक्षा का व्यावहारिक प्रशिक्षण युवाओं को सक्षम बना सकता है। ह्युवा आपदा मित्रह्व योजना के अंतर्गत 28 राज्यों के 315 जिलों के लगभग 94,400 एनसीसी कैडेटों को आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण से जोड़ने की पहल की गई। इसे नियमित अभ्यास और व्यावहारिक दक्षता के मूल्यांकन से जोड़ना चाहिए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर कैडेट प्रशिक्षित सहयोगी की भूमिका निभा सकें।

आज राष्ट्रीय सुरक्षा केवल सीमाओं की रक्षा तक सीमित नहीं है। साइबर हमले, डिजिटल धोखाधड़ी, तकनीकी निर्भरता और सूचना की विश्वसनीयता भी नई चुनौतियाँ हैं। ड्रोन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी तकनीकें सुरक्षा, उद्योग, कृषि और आपदा प्रबंधन तक अनेक क्षेत्रों को प्रभावित कर रही हैं। एनसीसी में ड्रोन प्रशिक्षण की शुरूआत एक महत्वपूर्ण कदम है। जनवरी, 2026 में रक्षा मंत्रालय ने चार दूरस्थ विमान संचालन प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से कैडेटों को ड्रोन उड़ान प्रशिक्षण दिए जाने की जानकारी दी थी। लेकिन प्रशिक्षण का उद्देश्य केवल ड्रोन उड़ाना सिखाना नहीं होना चाहिए। इसमें तकनीक की समझ, सुरक्षित संचालन, रखरखाव, नियमों का पालन और उसके उपयोग की सीमाओं की जानकारी भी शामिल होनी चाहिए। इसी प्रकार, एनसीसी और राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के बीच अप्रैल, 2026 में शुरू किया गया साइबर सुरक्षा कार्यक्रम उल्लेखनीय है। इसके पहले चरण में सभी नामांकित कैडेटों के लिए 15 घंटे का ऑनलाइन जागरूकता प्रशिक्षण और चयनित कैडेटों के लिए 60 घंटे का व्यावहारिक साइबर डिफेंडर प्रशिक्षण निर्धारित किया गया है। ऐसी पहल से कैडेट केवल तकनीक के उपयोगकर्ता नहीं, बल्कि डिजिटल सुरक्षा के जिम्मेदार और जागरूक नागरिक भी बन सकते हैं। एनसीसी में विकसित अनुशासन, समय प्रबंधन, नेतृत्व, टीम भावना और जिम्मेदारी ऐसे गुण हैं, जिनकी आवश्यकता शिक्षा, रोजगार, उद्योग, प्रशासन और उद्यमिता–हर क्षेत्र में होती है। इसलिए एनसीसी प्रशिक्षण को कौशल विकास और रोजगार की संभावनाओं से जोड़ना समय की मांग है। विश्वविद्यालयों, तकनीकी संस्थानों, उद्योगों और कौशल विकास संस्थाओं के साथ साझेदारी विकसित की जा सकती है। पूर्व कैडेटों को मार्गदर्शक बनाकर वर्तमान युवाओं को शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता के अवसरों से परिचित कराया जा सकता है। इसके लिए एक कैडेट कौशल अभिलेखह्व विकसित करने का सुझाव विचारणीय है। इसमें कैडेट के प्रशिक्षण, व्यावहारिक दक्षता, नेतृत्व अनुभव, तकनीकी कौशल और सामाजिक सेवा का प्रमाणित विवरण हो। इससे प्रमाणपत्र के साथ उसकी वास्तविक क्षमता भी सामने आएगी और शिक्षण संस्थानों तथा नियोक्ताओं को उसके कौशल का आकलन करने में सहायता मिलेगी।

एनसीसी का उद्देश्य किसी कैडेट को नौकरी की गारंटी देना नहीं, बल्कि उसे ऐसा सक्षम नागरिक बनाना होना चाहिए जो अपने लिए अवसर खोज सके और दूसरों के लिए भी अवसर पैदा कर सके।

एनसीसी में बालिका कैडेटों की बढ़ती भागीदारी सकारात्मक परिवर्तन है। लेकिन समान अवसर का अर्थ केवल संख्या में भागीदारी नहीं, बल्कि प्रशिक्षण, नेतृत्व और चुनौतीपूर्ण गतिविधियों में बराबर अवसर मिलना भी है। भारतीय सेना की पूर्वी कमान से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सिक्किम के नामची में आयोजित अखिल भारतीय बालिका पर्वतारोहण अभियान में 15 राज्यों की 1,530 बालिका कैडेटों ने छह शिविरों के माध्यम से भाग लिया। पश्चिम बंगाल एवं सिक्किम एनसीसी निदेशालय के अपर महानिदेशक ने स्वयं कैडेटों के साथ दुर्गम हिमालयी मार्गों पर पर्वतारोहण कर नेतृत्व का उदाहरण प्रस्तुत किया। यह पहल बताती है कि नेतृत्व केवल निर्देश देने से नहीं, बल्कि स्वयं चुनौती स्वीकार करने और साथियों के साथ आगे बढ़ने से विकसित होता है। ऐसे अभियान आत्मविश्वास, निर्णय क्षमता और सामूहिक जिम्मेदारी को मजबूत करते हैं। एनसीसी को बालिका कैडेटों के लिए ऐसे अवसर लगातार बढ़ाने चाहिए। भारत की विविधता उसकी शक्ति है, लेकिन इस विविधता को समझने और सम्मान देने के लिए युवाओं के बीच प्रत्यक्ष संवाद आवश्यक है। एनसीसी के राष्ट्रीय एकता शिविर, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और अंतरराष्ट्रीय युवा संपर्क कार्यक्रम इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अलग-अलग राज्यों और देशों के युवाओं को साझा प्रशिक्षण, साहसिक गतिविधियों और सांस्कृतिक संवाद के अवसर मिलने चाहिए। इससे वे एक-दूसरे की भाषा, परंपरा और सामाजिक परिस्थितियों को बेहतर समझ सकेंगे। ऐसे कार्यक्रमों में भाग लेने वाला कैडेट केवल अपने राज्य या देश का प्रतिनिधि नहीं होता, वह अपने व्यवहार से भारत की पहचान भी प्रस्तुत करता है। यही अनुभव आगे चलकर जन-स्तर पर विश्वास, सहयोग और मैत्री का आधार बन सकता है।

राहुकेतु दोष से मुक्ति दिलाता है स्वर्णमुखी नदी तट पर बसा ऐतिहासिक श्रीकालहस्ती मंदिर

भारत में वैसे तो भगवान शिव के कई मंदिर हैं। हमारे देश में 12 ज्योतिर्लिंग भी अपने आप में शिवभक्ति से पूर्ण हैं। इन ज्योतिर्लिंगों के दर्शन के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। वहीं कुछ धार्मिक स्थान ऐसे भी हैं, जहां की कथा बेहद अद्भुत और अनोखी है और यह आज भी शिव भक्ति के लिए प्रसिद्ध हैं। हम एक ऐसे मंदिर की बात कर रहे हैं, जो शिव भक्त की अटूट भक्ति और आस्था को दिखाता है और इसका श्रद्धालुओं के बीच बेहद अनोखा और खास स्थान है।

इस मंदिर का नाम श्रीकालहस्ती मंदिर है, जोकि दक्षिण भारत में है। यह दक्षिण भारत के सबसे शक्तिशाली और पुराने शिव मंदिरों में से एक है। जोकि आंध्र प्रदेश के तिरुपति के पास स्वर्णमुखी नदी के किनारे है। इस मंदिर को दक्षिण कैलाश के नाम से भी जाना जाता है। इस शिव मंदिर की कहानी एक शिवभक्त की अटूट भक्ति को दिखाती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस मंदिर के रहस्य और इससे जुड़ी रोचक कथाओं के बारे में बताने जा रहे हैं।

श्रीकालहस्ती मंदिर

इस मंदिर का नाम उन तीन भक्तों के नाम पर पड़ा है, जिन्होंने महादेव के प्रति अपनी अटूट भक्ति और श्रद्धा दिखाई और मोक्ष की प्राप्ति की। उन तीन भक्तों का नाम श्री जिसे धैर्य और समर्पण का प्रतीक माना जाता है। उसने शिवलिंग को बारिश और धूल से बचाने के लिए चारों ओर जाला बुना। दूसरा काल था, जिसने अपनी बुद्धिमानी से शिवलिंग के चारों ओर भेंट के तौर पर कीमती पत्थर रखे थे और तीसरे भक्त का नाम हस्ती है, जिसको विश्वास और शक्ति का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि यह हाथी शिवभक्ति में रोजाना शिवलिंग का जलाभिषेक करने के लिए अपनी सूढ़ में जल भरकर लाता था और उसी जल से शिवलिंग का जलाभिषेक करता था। जब हाथी शिवलिंग को पानी से साफ करता था, तो मकड़ी नियमित रूप से शिवलिंग की रक्षा के लिए फिर से जाला बुनती थी।

एक दिल हाथी ने जलाभिषेक करते हुए अंजाने में मकड़ी का जाला तोड़ दिया था, जिस कारण मकड़ी और हाथी में झगड़ा हो गया। इस झगड़े में सांप भी शामिल हो गया और इस संघर्ष में तीनों की जान चली गई। उनकी तीनों की सच्ची भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान शिव प्रकट हुए और उनको मोक्ष प्रदान किया। उन तीनों भक्तों की भक्ति को देखते हुए उन तीनों के नाम पर इस मंदिर का नाम रखा गया। प्राचीन काल में कन्नप्पा नामक एक शिकारी जनजाति में हुआ था। उसको वेदों या रीति-रिवाजों का ज्ञान नहीं था। लेकिन उसका मन पवित्र था और मन में भगवान शिव के प्रति अटूट प्रेम था। एक दिन शिकार के दौरान उसने जंगल में शिवलिंग देखा और सरल तरीके से शिव की पूजा करनी शुरूकर दी। कनप्पा ने भोजन के रूप में भगवान शिव को ताजा मांस अर्पित किया और अभिषेक के लिए पने मुंह से नदी का पानी डाला। कनप्पा दिन रात एक रक्षक की तरह शिवलिंग की पूजा और देखभाल करता था।

भले ही कनप्पा की पूजा का तरीका अलग और अनोखा था, लेकिन महादेव ने उसकी पूजा को स्वीकार किया, क्योंकि वह पूरी तरह से ईमानदार था। एक दिन कनप्पा ने देखा कि शिवलिंग की एक आंख से खून निकल रहा था। उसने बिना किसी हिचकिचाहट के अपनी एक आंख निकालकर खून बहना रोकने के लिए शिवलिंग पर रख दिया। फिर कनप्पा ने दूसरी आंख निकालकर शिवलिंग को अर्पित कर दी। कनप्पा की अटूट भक्ति को देखकर महादेव स्वयं प्रकट हुए और उसको मोक्ष का आशीर्वाद दिया। साथ ही यह भी वरदान दिया कि उसका स्थान शिवभक्तों में हमेशा सर्वोपरि रहेगा। वायु लिंगम और दक्षिण का कैलाश श्री कालहस्ती 'पंच भूत स्थलों' में से एक है, जोकि वायु तत्व का प्रतीक माना जाता है। ब

न्यूज IN ब्रीफ

52वीं जूनियर नेशनल कबड्डी चैंपियनशिप में दमखम दिखाएंगी साहिबगंज की तीन बेटियां



साहिबगंज : जिले के खेल जगत के लिए गर्व और गौरव का क्षण है। जिले की तीन होनहार बेटियाँ 52वीं जूनियर नेशनल कबड्डी चैंपियनशिप बालिका वर्ग में झारखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए रविवार को साहिबगंज रेलवे स्टेशन से पंजाब के लिए रवाना हुईं। राष्ट्रीय स्तर की यह प्रतियोगिता 26 से 29 नवंबर 2026 तक पंजाब के फरीदकोट स्थित नेहरू स्टेडियम में आयोजित होगी।झारखंड टीम में चयनित खिलाड़ियों में प्रीति कुमारी, दिव्या कुमारी और चाँदनी कुमारी शामिल हैं। तीनों खिलाड़ियों ने अपनी कड़ी मेहनत, निरंतर अभ्यास, अनुशासन और उत्कृष्ट खेल प्रतिभा के बल पर राज्य की टीम में जगह बनाई है। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में चयन उनके कठिन परिश्रम और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम है।खिलाड़ियों की रवानगी के अवसर पर साहिबगंज रेलवे स्टेशन पर जिले के पदाधिकारी, खेल प्रशिक्षक एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे। इस उपलब्धि पर उपायुक्त, जिला खेल पदाधिकारी नयन कुमार, प्रो. डॉ. रंजीत कुमार सिंह, राजू यादव वैज्ञानिक, डीआरडीओ, जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष नवनीत कुमार सोनू, सचिव वीरेंद्र कुमार, खेल शिक्षक आदित्य कुमार, एनआईएस कबड्डी कोच लालू कुमार यादव तथा खेल प्रेमी हीरालाल यादव सहित अन्य लोगों ने तीनों खिलाड़ियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।सभी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए विश्वास जताया कि प्रीति, दिव्या और चाँदनी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से साहिबगंज जिले के साथ-साथ पूरे झारखंड राज्य का नाम रोशन करेंगी। जिले के खेल प्रेमियों को उम्मीद है कि इन बेटियों की सफलता क्षेत्र की अन्य बालिकाएँ भी खेल के प्रति प्रेरित होंगी और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए आगे आएँगी।

झारखंड स्थापना दिवस पर उधवा के 25 ग्राम प्रधान सम्मानित



साहिबगंज/उधवा : गांव की प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और ग्रामीण विकास को गति देने में अहम भूमिका निभाने वाले उधवा प्रखंड के 25 ग्राम प्रधानों को झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर सम्मानित किया गया। रविवार को प्रखंड सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में अधिकारियों ने ग्राम प्रधानों के योगदान की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल, प्रखंड विकास पदाधिकारी जयंत कुमार तिवारी एवं साहिबगंज के श्रम अधीक्षक मोहम्मद महफूज आलम ने बारी-बारी से सभी ग्राम प्रधानों को अंग वस्त्र, प्रशस्ति पत्र एवं पौधा भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल ने कहा कि ग्राम प्रधान गांव की प्रशासनिक एवं सामाजिक व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। सरकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने, ग्रामीणों की समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाने तथा गांव में आपसी समन्वय और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने में उनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।वहीं, बीडीओ जयंत कुमार तिवारी ने ग्राम प्रधानों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ग्राम प्रधानों की सक्रिय भागीदारी के बिना ग्रामीण विकास की परिकल्पना अधूरी है। उन्होंने सभी ग्राम प्रधानों से अपने-अपने क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने, ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करने तथा जरूरतमंदों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने में सहयोग करने की अपील की। सम्मान प्राप्त करने के बाद ग्राम प्रधानों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। समारोह के दौरान अधिकारियों ने ग्राम प्रधानों के योगदान को ग्रामीण प्रशासन की मजबूती के लिए महत्वपूर्ण बताया। मौके पर अंचल निरीक्षक हैदर अली, राजस्व कर्मचारी लक्ष्मी साहा, बबलू यादव, प्रखंड प्रधान सहायक अरुण कुमार गुप्ता, प्रभारी जीपीएस संतोष कुमार सुमन, अंचल नाजिर मोहम्मद सेराजुल हक सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे।

प्रमंडल स्तरीय भगवान बिरसा मुंडा लोकप्रिय ग्रामीण तथा स्वदेशी जनजातीय खेल



साहिबगंज : झारखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर दुमका के कुमार दुधानी स्टेडियम में संपन्न प्रमंडल स्तरीय भगवान बिरसा मुंडा लोकप्रिय ग्रामीण तथा स्वदेशी जनजातीय खेल प्रतियोगिता में जिले के प्रतिभागियों ने जिला का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन कर 02 स्वर्ण,03 रजत कांस्य समेत 02 पदक समेत 07 पदक जीते। विजेता प्रतिभागियों को जामा विधायक श्रीमती लुईस मरांडी ने पुरस्कृत किया।

स्वर्ण पदकः परमा हांसदा बालक भार दौड़,ललिता उरांव बालिका भार दौड़,

रजत पदक समीर मुर्मू बालक गुलेल,झरिया देवी बालिका गुलेल

नसीब मुर्मू बालक मटका दौड़,

कांस्य पदक सागेन मुर्मू गेड़ी दौड़,शिवानी हेंब्रम बालिका मटका दौड़ सभी विजेता प्रतिभागियों को उपायुक्त श्री दीपक कुमार दूबे, पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार सिंह,उपविकास आयुक्त श्री सतीश चंद्रा, परियोजना निदेशक श्री संजय कुमार दास, जिला खेल पदाधिकारी श्री नयन कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक उर्मिला हांसदा समेत जिले वासियों ने बधाई दी।

गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व सिख समुदाय का सबसे पवित्र एवं महत्वपूर्ण त्योहार : आनंद सिंह

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा प्रकाश पर्व, गुरुद्वारों में होंगे धार्मिक आयोजन



संवाददाता

साहिबगंज : सिख धर्म के संस्थापक एवं प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी के जन्मोत्सव को प्रकाश पर्व अथवा गुरु नानक जयंती के रूप में मनाया जाता है। यह सिख समुदाय के सबसे पवित्र और महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। इस वर्ष 24 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर प्रकाश पर्व श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर गुरुद्वारों में विशेष धार्मिक कार्यक्रम, गुरुवाणी पाठ, कीर्तन एवं लंगर का आयोजन किया जाएगा।इस संबंध में आनंद सिंह ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने पूरी दुनिया को एकता, प्रेम, भाईचारे, समानता और मानवता की सेवा का संदेश दिया। उनका जीवन और उनकी शिक्षाएं आज भी समाज को सही दिशा दिखाने का काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रकाश पर्व केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि गुरु नानक देव जी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लेने का अवसर भी है।

गुरु नानक देव जी का जीवन परिचय

गुरु नानक देव जी का जन्म 1469 ईस्वी में वर्तमान पाकिस्तान के ननकाना साहिब स्थित राय भोई की तलवंडी में हुआ था। उनके पिता का नाम मेहता कालू और माता का नाम तृप्ता देवी था। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन मानवता की सेवा, सत्य, प्रेम और समानता का संदेश फैलाने में समर्पित किया। उन्होंने भारत सहित विभिन्न देशों की आध्यात्मिक यात्राएं कीं, जिन्हें उदासियां कहा जाता है।गुरु नानक देव जी की प्रमुख शिक्षाओं में 'एक ओंकार' अर्थात ईश्वर एक है, का सिद्धांत प्रमुख है। उन्होंने मानव जीवन के लिए तीन महत्वपूर्ण संदेश दिए—नाम जपो, यानी ईश्वर का स्मरण करो; किरत करो, यानी ईमानदारी से मेहनत करो; और वंड छको, यानी अपनी कमाई और भोजन जरूरतमंदों के साथ बांटकर खाओ।

धार्मिक परंपराओं के साथ मनाया जाता है प्रकाश पर्व

गुरु नानक जयंती के अवसर पर उत्सव की शुरूआत गुरुद्वारों में प्रभात फेरी और गुरुवाणी के गायन से होती है। प्रकाश पर्व से पहले गुरु ग्रंथ साहिब का 48 घंटे तक लगातार अखंड पाठ किया जाता है।इसके बाद भव्य नगर कीर्तन निकाला जाता है,जिसका नेतृत्व पंज प्यारे करते हैं। नगर कीर्तन में श्रद्धालु शबद-कीर्तन करते हुए गुरु नानक देव जी के संदेशों का प्रचार करते हैं।इस दौरान पारंपरिक सिख मार्शल आर्ट गतका का प्रदर्शन भी आकर्षण का केंद्र रहता है।प्रकाश पर्व के दिन गुरुद्वारों में विशेष दीवान सजाए जाते हैं और गुरुवाणी का पाठ एवं कीर्तन किया जाता है। इस अवसर पर विशाल सामुदायिक लंगर का आयोजन होता है,जिसमें बिना किसी जाति,धर्म और वर्ग के भेदभाव के सभी लोग एक साथ बैठकर भोजन करते हैं। श्रद्धालुओं के बीच कढ़ा प्रसाद भी वितरित किया जाता है।शाम को गुरुद्वारों और घरों को दीपों एवं रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया जाता है।गुरु नानक देव जी का संदेश 'सबका भला' और मानवता की सेवा आज भी पूरी दुनिया के लिए प्रेरणास्रोत है।प्रकाश पर्व हमें उनके बताए मार्ग पर चलने,आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारे को मजबूत करने की प्रेरणा देता है।

एसआईआर की समीक्षा करने उधवा पहुंचे मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार

लंबित नोटिसों का शीघ्र निष्पादन करने का दिया निर्देश अधिकारियों को पारदर्शिता के साथ समय सीमा में प्रक्रिया पूरी करने की हिदायत



साहिबगंज/उधवा : राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार रविवार को एसआईआर विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया की समीक्षा करने उधवा प्रखंड कार्यालय पहुंचे। इस दौरान साहिबगंज जिले के उपायुक्त दीपक कुमार दुबे भी उनके साथ मौजूद रहे। प्रखंड कार्यालय पहुंचने के बाद मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी कुमोदनी टुडू, एसडीओ सह निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सदानंद महतो, बीडीओ सह सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी जयंत कुमार तिवारी, सीओ सह सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी आशीष कुमार मंडल व श्रम अधीक्षक सह सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी मोहम्मद महफूज आलम शामिल हुए। बैठक के दौरान एसआईआर प्रक्रिया की अद्यतन प्रगति, मतदाताओं को जारी किए गए नोटिस और सुनवाई की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने अब तक पूरी की गई सुनवाई से संबंधित अभिलेखों का अवलोकन किया। साथ ही लंबित नोटिसों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि एसआईआर की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरी की जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने बताया कि एसआईआर की प्रक्रिया अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। आगामी 22 दिसंबर को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। ऐसे में सभी संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करें, ताकि निर्धारित समय पर पूरी प्रक्रिया संपन्न कराई जा सके।मौके पर अंचल निरीक्षक हैदर अली, प्रभारी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी संतोष कुमार सुमन, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक हारून रशीद, अब्दुस सलाम, उदय मंडल, कंप्यूटर ऑपरेटर देवाशीष साहा सहित अन्य कर्मी मौजूद थे।

वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई



सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा का संकल्प लेकर सुरक्षित यातायात व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल

संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड स्थापना दिवस पखवाड़ा के तहत उपायुक्त-सह-अध्यक्ष, जिला सड़क सुरक्षा समिति, साहिबगंज श्री दीपक कुमार दूबे के निदेर्शानुसार मुफस्सिल थाना परिसर में वाहन चालकों के लिए विशेष सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाकर सुरक्षित यातायात व्यवस्था को बढ़ावा देना रहा। जबकि वाहन चालकों को हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन, वाहन चलाते समय सतर्कता बरतने तथा यातायात नियमों का जिम्मेदारीपूर्वक अनुपालन करने की जानकारी दी गई। साथ ही सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों एवं उनसे बचाव के व्यावहारिक उपायों से अवगत कराते हुए सभी चालकों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई गई एवं जागरूकता पंपलेट वितरित किए गए।कार्यक्रम में गुड समारिटन नेक नागरिक योजना एवं गोल्डन आवर के महत्व पर विशेष जोर दिया गया। चालकों को बताया गया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को दुर्घटना के बाद शुरूआती एक घंटे के भीतर समय पर चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराना उसकी जान बचाने में बेहद महत्वपूर्ण हो सकता है। साथ ही दुर्घटना पीड़ितों की मदद के लिए आगे आने तथा मानवीय संवेदनशीलता के साथ जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाने हेतु प्रेरित किया गया।

मौके पर जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पाराशर एवं आईटी सहायक राजहंस उपस्थित रहे।

आस्था और तपस्या की विरासत का प्रतीक है नरसिंह स्थान मेला

संवाददाता

हजारीबाग : सदियों पुरानी धार्मिक परंपरा, आध्यात्मिक चेतना और अटूट लोकआस्था का प्रतीक हजारीबाग का ऐतिहासिक नरसिंह स्थान मेला एक बार फिर कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर अपने पारंपरिक वैभव के साथ सजने लगा है। कटकमदाग प्रखंड के खपरियावां पंचायत स्थित यह प्रसिद्ध धार्मिक स्थल जिला मुख्यालय, बस पड़ाव और रेलवे स्टेशन से करीब सात किलोमीटर दूर है। मेले की तैयारियां शुरू हो गई हैं और श्रद्धालुओं तथा अतिथियों का आगमन भी होने लगा है। उत्तरी छोटानागपुर का यह प्रमुख मेला धार्मिक आयोजन के साथ क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता का प्रतीक है।नरसिंह स्थान मंदिर की स्थापना महान तपस्वी, तांत्रिक और ज्योतिषाचार्य दामोदर मिश्र की साधना से जुड़ी है। स्थानीय जनश्रुतियों के अनुसार, उन्होंने कठोर तपस्या कर महामाया को प्रसन्न किया था। उनकी प्रार्थना पर माता वर्तमान स्थान पर नकटी महामाया के रूप में विराजमान हुईं। बाद में माता की इच्छा पर दामोदर मिश्र ने भगवान श्रीहरि की आराधना की। मान्यता है कि भगवान ने स्वप्न में दर्शन देकर नेपाल की तराई स्थित काकभुसुंडि पर्वत से अपना विग्रह लाने का निर्देश दिया। इसके बाद उन्होंने भगवान नरसिंह की प्रतिमा लाकर यहां विधि-विधान से स्थापित की। तभी से कार्तिक पूर्णिमा पर मेले की परंपरा चली आ रही है।

बोरियो के पूर्व थाना प्रभारी के प्रयास से शुरू हुई थी बॉलीबॉल खेल और टूर्नामेंट

संवाददाता

साहिबगंज/बोरियो: आदर्श स्पोर्ट्स क्लब, बोरियो के तत्वावधान में रविवार को एक दिवसीय डे-नाइट अंतर-राज्यीय वॉलीबॉल चैम्पियनशिप टूर्नामेंट का शुभारंभ, प्रखंड विकास पदाधिकारी नागेश्वर साव एवं थाना प्रभारी ओमप्रकाश चौहान के द्वारा फीता काटकर तथा बॉल सर्विस कर किया गया। मैच की शुरूआत आजमगढ़ यूपी और बोरियो टीम से हुई, जिसमें आजमगढ़ की टीम ने 2-0 से जीत हासिल किया। दूसरा मैच कटिहार बनाम मोतीपहाड़ी के बीच खेला गया जिसमें कटिहार ने मोतीपहाडी को हरा दिया। इस टूनार्मेंट में भागलपुर मुंगेर शहरिया कटिहार पूर्णिया बरहमपुर फरक्का सकरीगली, उड़ीसा सहित कई अन्य टीमों के बीच खबर लिखे जाने तक मैच खेली जा रही थी।

पूर्व थाना प्रभारी रोहित कुमार सिंह का हुआ भव्य स्वागत

बोरियो के खेल प्रेमियों और युवाओं ने बोरियो के पूर्व थाना प्रभारी रोहित कुमार सिंह का भव्य स्वागत किया। युवा खिलाड़ी अंकित कुमार ने गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया, वहीं कृष साह, रिकी कुमार, गणेश पांडे, उमंग कुमार सहित अन्य युवा खिलाड़ियों ने पूर्व थाना प्रभारी को शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। टूनार्मेंट के दौरान उपस्थित खिलाड़ियों से भी परिचय करवाया गया, इस दौरान पूर्व थाना प्रभारी भावुक दिखे। बता दें कि बोरियो में पदस्थापित रहने के दौरान रोहित कुमार सिंह ने बोरियो थाना परिसर में बॉलीबॉल खेल का शुरू कराया था, युवाओं को खेल तथा फिटनेस के प्रति भी जागरूक करते थे। उनके प्रयास से ही वर्ष 2025 में बोरियो के कस्तूरबा गांधी मैदान में भव्य बॉलीबॉल टूनार्मेंट का आयोजन हुआ था।



आदर्श स्पोर्ट्स क्लब के मुख्य प्रबंधक सुनील साह ने बताया कि पूर्व थाना प्रभारी ने आयोजित की गई इस टूनार्मेंट के लिए भी क्लब को काफी सहयोग किया गया है, जिस कारण सफलता मिलती दिख रही है। रेफरी और स्कोरर के तौर पर निभाते दिखे भूमिका।टूनार्मेंट में खेल शिक्षक बमबम कुमार साह, वीरेंद्र साह सहित अन्य ने अम्पायर, रेफरी तथा स्कोरर की भूमिका अदा की है। जबकि टूनार्मेंट के शुरूआत में बोरियो के समाजसेवियों जगरनाथ साह, देवनारायण साह, ओम भगत, रोहित साह सहित अन्य को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस दौरान क्लब के अध्यक्ष जयकांत भगत, सचिव कैश अंसारी, मनोज साह, विजय यादव, संतोष भगत, नंदेश्वर साह, शकील अहमद, अशोक साह, शंभू भगत, अरविंद गुप्ता, विनोद साह, संजय साह, रिजवान अंसारी, मंसूर अंसारी, जहांगीर अंसारी, रवि पासवान, सूरज सुधानंद, मोहन रक्षित, रामचंद्र साह सहित सभी सदस्य आयोजन को सफल बनाने में लगे हुए थे, वहीं दर्शकों की हुजूम उमड़ी थी।

हाथ में फ्रैक्चर के कारण विल जैक्स इंग्लैंड लौटेंगे, टॉम बैंटन संभालेंगे उपकप्तानी



मेलबर्न। इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स हाथ में फ्रैक्चर के कारण ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे से बाहर हो गए हैं। उनकी अनुपस्थिति में टॉम बैंटन को टीम का उपकप्तान बनाया गया है। वहीं, पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के लिए इंग्लैंड की टीम में एक नए खिलाड़ी को भी शामिल किया गया है। जैक्स को मेलबर्न में पहले टी20 मुकाबले में मिली करीबी हार के दौरान चोट लगी थी। अपनी टीम की पारी के 19वें ओवर में बेन ड्वारशुइस की गेंद पर मुश्किल कैच पकड़ने की कोशिश में उनके दाएं हाथ में चोट लग गई। इसके बाद उनके हाथ से खून बहने लगा और उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा।

जांच में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई, जिसके बाद उन्हें स्वदेश लौटना पड़ रहा है। उनके साथी खिलाड़ी गोल्ड कोस्ट के लिए रवाना हो गए हैं। चोट के कारण जैक्स पहली बार अपने देश की कप्तानी करने का मौका भी गंवा देंगे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से पहले पांचवां और अंतिम टी20 मुकाबला खेला जाना है। नियमित कप्तान हैरी ब्रूक इस मैच में उपलब्ध नहीं होंगे। ऐसे में जैक्स को दो दिसंबर को कैनबरा में होने वाले मुकाबले में टीम की कमान सौंपने की योजना थी।अब यह जिम्मेदारी बैंटन को दी गई है। उन्हें अधिक अनुभवी खिलाड़ियों से आगे चुनकर ब्रूक का उपकप्तान बनाया गया है। इस दौड़ में फिल सॉल्ट और सैम करन भी शामिल थे। सॉल्ट 2024 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंग्लैंड की कप्तानी कर चुके हैं, जबकि सैम करन इंडियन प्रीमियर लीग में पंजाब किंग्स और वाइटैलिटी ब्लास्ट में सरे की कप्तानी कर चुके हैं।

हालांकि, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के बाद से बैंटन ने कोचिंग स्टाफ को प्रभावित किया है। उन्होंने टीम में शांत लेकिन प्रभावशाली भूमिका निभाई है और जैकब बेथेल तथा जोस बटलर की चोटों के कारण मिले अवसरों का पूरा फायदा उठाया है। तेज गेंदबाज स्कॉट करी भी कैनबरा में दो दिसंबर को होने वाले पांचवें टी20 मुकाबले के लिए इंग्लैंड की टीम से जुड़ेंगे। लंबे कद के दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने अब तक इंग्लैंड के लिए तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट ड्रॉ होने के बाद शुभमन गिल ने आईसीसी से की सलाइवा पर प्रतिबंध हटाने की मांग



वेलिंगटन। भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से गेंद को चमकाने के लिए लार के इस्तेमाल पर लगे प्रतिबंध को हटाने की मांग की है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वेलिंगटन में पहला टेस्ट सोमवार को ड्रॉ होने के बाद गिल ने कहा कि कोविड-19 महामारी खत्म हुए कई साल बीत चुके हैं, ऐसे में गेंद पर लार लगाने की अनुमति अब भी क्यों नहीं है, यह उनकी समझ से बाहर है। भारत को अंतिम दिन जीत के लिए आठ विकेट की जरूरत थी, लेकिन ग्लेन फिलिप्स और डेरिल मिचेल की जुझारू साझेदारी को तोड़ने में भारतीय गेंदबाज नाकाम रहे। दोनों बल्लेबाजों ने अंतिम दो सत्रों में 43 ओवर तक बल्लेबाजी करते हुए भारत को जीत से दूर रखा। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में गिल ने कहा, ह्लमुझे नहीं पता कि गेंद को चमकाने के लिए लार के इस्तेमाल की अनुमति क्यों नहीं है। कोविड-19 महामारी खत्म हुए कई साल हो चुके हैं। मुझे समझ नहीं आता कि अब भी इसकी अनुमति क्यों नहीं है। कोविड-19 महामारी के दौरान संक्रमण का खतरा कम करने के लिए वर्ष 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने गेंद पर लार के इस्तेमाल पर अस्थायी प्रतिबंध लगाया था। बाद में 2022 में आईसीसी ने इस प्रतिबंध को स्थायी कर दिया। हालांकि, वर्ष 2025 में इंडियन प्रीमियर लीग में लार के इस्तेमाल पर लगा प्रतिबंध हटा दिया गया था, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में यह पाबंदी अब भी लागू है। गेंद के एक तरफ चमक बनाए रखने और रिवर्स स्विंग हासिल करने में मदद के लिए आमतौर पर लार का इस्तेमाल किया जाता है। सपाट पिचों पर यह गेंदबाजों के लिए विशेष रूप से उपयोगी साबित हो सकती है। वेलिंगटन में भारतीय टीम को भी ऐसी ही सपाट पिच का सामना करना पड़ा, जहां गेंदबाजों को विकेट हासिल करने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ी।

डब्ल्यूटीसी अंक तालिका: न्यूजीलैंड तीसरे स्थान पर खिसका, भारत की फाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को झटका



नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वेलिंगटन में खेला गया पहला टेस्ट सोमवार को पांच दिनों के रोमांचक मुकाबले के बाद ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इस नतीजे के बाद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 की अंक तालिका में भारत चौथे स्थान पर बना हुआ है, लेकिन उसका अंक प्रतिशत घटकर 50.00 हो गया है। इससे फाइनल में पहुंचने की उसकी उम्मीदों को और झटका लगा है। दूसरी ओर, न्यूजीलैंड शीर्ष दो से बाहर होकर तीसरे स्थान पर खिसक गया है। उसका अंक प्रतिशत घटकर 66.67 हो गया है। दक्षिण अफ्रीका 75.00 अंक प्रतिशत के साथ तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है। उसे 23 से 27 नवंबर के बीच बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले दूसरे टेस्ट में अपनी स्थिति और मजबूत करने का मौका मिलेगा। ऑस्ट्रेलिया 69.23 अंक प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है। पैट कमिंस की कप्तानी वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम अगली बार न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी धरती पर चार टेस्ट मैच खेलेगी। इसके बाद जनवरी 2027 में भारत का दौरा करेगी, जहां दोनों टीमों के बीच पांच टेस्ट मैचों की महत्वपूर्ण बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेली जाएगी।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की अंक तालिका

दक्षिण अफ्रीका आठ मैचों में छह जीत और दो हार के साथ 72 अंक तथा 75.00 अंक प्रतिशत लेकर पहले स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया ने 13 मैचों में नौ जीत और चार हार दर्ज की हैं। उसके खाते में 108 अंक हैं और अंक प्रतिशत 69.23 है। न्यूजीलैंड सात मैचों में चार जीत, एक हार और दो ड्रॉ के साथ 56 अंक तथा 66.67 अंक प्रतिशत लेकर तीसरे स्थान पर है। भारत ने 12 मैचों में पांच जीत, चार हार और तीन ड्रॉ खेले हैं। उसके कुल 72 अंक और 50.00 अंक प्रतिशत हैं। बांग्लादेश नौ मैचों में तीन जीत, चार हार और दो ड्रॉ के साथ 44 अंक तथा 40.74 अंक प्रतिशत लेकर पांचवें स्थान पर है। इंग्लैंड 16 मैचों में सात जीत, आठ हार और एक ड्रॉ के साथ 74 अंक तथा 38.54 अंक प्रतिशत लेकर छठे स्थान पर है। उसके कुल अंकों में 14 अंक की कटौती भी शामिल है। वेस्टइंडीज 14 मैचों में तीन जीत, आठ हार और तीन ड्रॉ के साथ 46 अंक तथा 27.38 अंक प्रतिशत लेकर सातवें स्थान पर है। उसके दो अंक काटे गए हैं। श्रीलंका आठ मैचों में एक जीत, तीन हार और चार ड्रॉ के साथ 13 अंक तथा 13.54 अंक प्रतिशत लेकर आठवें स्थान पर है। उसके 15 अंक काटे गए हैं। पाकिस्तान 11 मैचों में तीन जीत, सात हार और एक ड्रॉ के साथ नौवें स्थान पर है। उसके खाते में 24 अंक की कटौती के बाद कुल अंक तालिका में 9 अंक हैं।

मुरैमामन विवाद पर कीर्ति सुरेश ने दी सफाई, बोलीं- मैं अपनी संस्कृति को कभी नीचा नहीं दिखाऊंगी

अभिनेत्री कीर्ति सुरेश आगामी तमिल कोर्टरूम ड्रामा फिल्म 'सत्यवान सावित्री' में युवा वकील की भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान अभिनेत्री ने सीरीज 'अक्का' के प्रमोशन के दौरान राधिका आप्टे द्वारा दक्षिण भारत में प्रचलित मुरैमामन प्रथा को लेकर दिए गए बयान पर सफाई दी।



दरअसल, नेटफ्लिक्स सीरीज 'अक्का' के प्रमोशन के दौरान अभिनेत्री राधिका आप्टे ने कीर्ति सुरेश के साथ एक इंटरव्यू में एक तेलुगु फिल्म का अनुभव शेयर किया था, जिसमें उन्होंने फिल्म के अनुभव को अपने करियर का सबसे मुश्किल किरदार बताया, जिसमें उनके किरदार को अपने मामा से शादी करनी थी। उन्होंने कहा कि उन्हें उस अनुभव की हर बात नापसंद थी और एक पितृसत्तात्मक माहौल में अपने से काफी बड़े अभिनेता के साथ रोमांस करना उनके लिए सबसे कठिन रहा। प्री-रिलीज इवेंट में कीर्ति सुरेश से पूछा गया था कि वो खुद को किस फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा मानती हैं क्योंकि उन्होंने तमिल, तेलुगु, मलयालम और हिंदी में काम किया है। एक्ट्रेस ने जैसे ही साफ किया कि वो खुद को एक साउथ एक्ट्रेस मानती हैं, कीर्ति सुरेश का ध्यान हाल ही में एक्ट्रेस राधिका आप्टे के साथ दिए गए उनके एक जॉइंट इंटरव्यू की तरफ दिलाया गया, जिसमें राधिका के एक सवाल के जवाब में दक्षिण भारत में प्रचलित मुरैमामन संस्कृति (चाचा द्वारा अपनी भतीजी से शादी करने की प्रथा) का जिक्र किया गया था। सोशल मीडिया पर तेलुगु और तमिल सिनेमा के फैंस ने इस जवाब की आलोचना की थी क्योंकि कई लोगों को लगा था कि इसका लहजा नीचा दिखाने वाला था। कीर्ति सुरेश से पूछा गया कि जब वे खुद को साउथ सिनेमा की एक्ट्रेस मानती हैं, तो उन्होंने चीजों को सही तरीके से समझाने के लिए आगे आकर कदम क्यों नहीं उठाया, जिसके बाद अभिनेत्री ने स्पष्ट किया कि शुरुआत में उन्हें समझ नहीं आया था कि राधिका आप्टे फिल्म में मामा से शादी करने की बात किस संदर्भ में कह रही हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें बाद में अहसास हुआ कि राधिका एक सांस्कृतिक परंपरा का जिक्र कर रही हैं। कीर्ति सुरेश ने कहा, 'सच कहूं तो शुरुआत में मुझे समझ ही नहीं आया कि वो क्या कह रही हैं और फिर मुझे समझ आया कि वो हमारी संस्कृति के बारे में बात कर रही हैं। जैसे ही मुझे एहसास हुआ कि उन्हें इस संस्कृति के बारे में पता नहीं है, मैंने समझाने की कोशिश की कि ये दक्षिण भारत की एक संस्कृति है। इवेंट के दौरान जब एक्ट्रेस को उनके इस जवाब के बारे में बताया गया कि ये प्रथा सिर्फ तमिल और तेलुगु में है लेकिन मलयालम में नहीं, तो उन्होंने कहा, 'हां, मैंने ऐसा कहा था। मैं संस्कृति की बात कर रही थी क्योंकि वो संस्कृति केरल में नहीं है। पूरे सम्मान के साथ क्योंकि मैं वहां की संस्कृति को कभी नीचा नहीं दिखाऊंगी।'



फिल्मों में हीरो बनने से पहले तुषार कपूर ने

डेविड धवन की तीन फिल्मों के सेट पर सीखा था काम

अभिनेता तुषार कपूर ने फिल्मी दुनिया में कदम तो एक स्टार परिवार के बेटे के तौर पर रखा, लेकिन पर्दे पर हीरो बनने से पहले उन्होंने कैमरे के पीछे रहकर फिल्म बनाने का काम सीखा था। अभिनेता जितेंद्र के बेटे और एकता कपूर के भाई होने के बावजूद तुषार ने सीधे फिल्मों में लॉन्च होने के बजाय असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर अपना सफर शुरू किया। उन्होंने निर्देशक डेविड धवन के साथ काम किया और फिल्म निर्माण की बारीकियां समझीं। दिलचस्प बात यह है कि इसी दौरान एक लेखक की नजर उन पर पड़ी और फिर उन्हें अपनी पहली फिल्म 'मुझे कुछ कहना है' मिल गई। तुषार ने साल 1999 में डेविड धवन के साथ काम करना शुरू किया था। उन्होंने निर्देशक की फिल्मों 'चल मेरे भाई', 'कुंवारा' और 'दुल्हन हम ले जाएंगे' में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया। साल 2026 में फिल्म 'मुझे कुछ कहना है' के 25 साल पूरे होने पर दिए एक इंटरव्यू में तुषार ने अपने शुरुआती दिनों का यह किस्सा साझा किया था। उन्होंने बताया कि वह अमेरिका से बिजनेस मैनेजमेंट की पढ़ाई पूरी करके भारत लौटे थे, हालांकि उनका परिवार पहले से ही फिल्मों से जुड़ा था, लेकिन उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में काम करने का कोई अनुभव नहीं था। इसलिए उन्होंने पहले असिस्टेंट डायरेक्टर बनकर फिल्म निर्माण को समझने का फैसला किया। तुषार ने बताया कि डेविड धवन के सेट पर काम करते समय लेखक रूमी जाफरी ने उन्हें देखा था। रूमी ने उन्हें बताया कि निर्माता वाशु भगनानी अपनी अगली फिल्म के लिए एक नए लड़के की तलाश कर रहे हैं। उन्होंने तुषार से पूछा कि क्या वह अभिनेता बनना चाहेंगे। इस पर तुषार ने कहा कि वह किसी भी अच्छे मौके के लिए तैयार हैं और उन्हें बस कहीं से शुरुआत करनी है। इसके बाद रूमी जाफरी ने उनका नाम वाशु भगनानी को सुझाया और उन्हें फिल्म 'मुझे कुछ कहना है' में काम करने का मौका मिल गया। साल 2001 में रिलीज हुई फिल्म 'मुझे कुछ कहना है' तुषार कपूर की पहली फिल्म थी। इसमें उनके साथ करीना कपूर नजर आई थीं। फिल्म का निर्देशन सतीश कौशिक ने किया था, जबकि अमरीश पुरी भी अहम भूमिका में थे। यह फिल्म तेलुगु फिल्म 'थोली प्रेमा' की हिंदी रीमेक थी। फिल्म में तुषार ने करण का किरदार निभाया था, जो एक लड़की से प्यार करता है और उसे अपने दिल की बात बताने की कोशिश करता है। फिल्म को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला और तुषार की एक्टिंग को भी पसंद किया गया। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर का बेस्ट मेल डेब्यू अवॉर्ड मिला था।

'महाभारत' एक्टर आयुष शाह से 4.44 करोड़ रुपए की ठगी का आरोप

32 चेक बाउंस, कोर्ट के आदेश पर एफआईआर

टीवी अभिनेता आयुष शाह से 4.44 करोड़ रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। अभिनेता ने एविएशन ट्रेनिंग कंपनी में निवेश के नाम पर करोड़ों रुपए लेने और बाद में पैसे वापस मांगने पर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया। इस मामले में मुंबई की ओशिवारा पुलिस ने कंपनी के डायरेक्टर और उनके परिवार के सदस्यों समेत पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने अदालत के आदेश के बाद यह मामला दर्ज किया है। आयुष का दावा है कि आरोपियों ने उन्हें 32 चेक दिए थे और सभी बाउंस हो गए। टीवी शो 'महाभारत', 'नव्या' और 'उतरन' में काम कर चुके आयुष शाह की शिकायत पर प्रथम वर्ग न्यायिक मजिस्ट्रेट, रेलवे मोबाइल कोर्ट, अंधेरी पूर्व ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के तहत पुलिस को जांच के आदेश दिए थे। इसके बाद एफआईआर दर्ज की गई, जिसमें बिश्वजित बादलचंद्र घोष, उनकी पत्नी पियाली श्यामलेंदु चटर्जी, बहन बिजोया सुब्रत कुमार दास, पिता बादलचंद्र घोष और लखनऊ निवासी शबाब हुसैन को आरोपी बनाया गया।



शबाब हुसैन एविएशन ट्रेनिंग कंपनी 'माईफ्लेज' के डायरेक्टर हैं। पुलिस ने धोखाधड़ी, विश्वासघात, जालसाजी और आपराधिक साजिश समेत बीएनएस की अलग-अलग धाराओं में मामला दर्ज किया है। एफआईआर के मुताबिक अक्टूबर 2019 में सोशल मीडिया के जरिए आयुष की पहचान बिश्वजित से हुई थी। उसने बताया कि माईफ्लेज प्राइवेट लिमिटेड केबिन क्रू और एयर होस्टेस को ट्रेनिंग देती है। कंपनी के देशभर में 12 सेंटर हैं और इसमें निवेश करने पर अच्छा मुनाफा मिल सकता है। शुरुआत में आयुष ने निवेश से इनकार कर दिया, लेकिन बाद में बिश्वजित ने उनकी कंपनी मार्स कम्युनिकेशंस से पीआर और सोशल मीडिया की सेवाएं लेनी शुरू कर दीं। लॉकडाउन के बाद आयुष की बिश्वजित और पत्नी पियाली से मुलाकात हुई। इस दौरान दोनों ने फ्लेज इंस्टीट्यूट ऑफ एविएशन एंड हॉस्पिटैलिटी में निवेश का प्रस्ताव दिया। उन्होंने देशभर में नए सेंटर खोलने की योजना बताई। बातचीत के बाद आयुष ने निवेश करने का फैसला किया। 2021 से 2025 के बीच आयुष ने कुल 4,44,48,000 रुपए दिए।



टाइम 100 नेक्स्ट इंडिया लिस्ट के कवर पर मिली अभिनेत्री को जगह, राजामौली ने की जमकर तारीफ

बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाने वाली अभिनेत्री आलिया भट्ट के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। अपनी शानदार अदाकारी और अलग-अलग तरह के किरदारों से दर्शकों का दिल जीतने वाली आलिया अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सुर्खियां बटोर रही हैं। उन्हें टाइम मैगजीन की पहली टाइम 100 नेक्स्ट इंडिया लिस्ट के कवर स्टार के तौर पर जगह मिली है। मैगजीन ने फिल्म इंडस्ट्री में उनके सफर, फिल्मों में उनके किरदारों के चुनाव और फिल्म सेट पर महिलाओं के लिए बेहतर कामकाजी माहौल की वकालत करने के उनके प्रयासों को सराहा है।

टाइम मैगजीन ने इंस्टाग्राम पर आलिया को कवर स्टार घोषित करते हुए उन्हें 'बॉलीवुड आइकन' बताया। मैगजीन ने लिखा, 'हमारी पहली टाइम 100 नेक्स्ट इंडिया लिस्ट की कवर स्टार से मिलिए, बॉलीवुड आइकन आलिया भट्ट।' इसके साथ ही प्रकाशन ने इस बात पर भी गौर किया कि कैसे आलिया ने इंडस्ट्री में एक नई कलाकार के तौर पर शुरुआत की और धीरे-धीरे चुनौतीपूर्ण और अलग-अलग तरह के किरदार निभाने वाली अभिनेत्री के रूप में अपनी पहचान बनाई।

वेलिंगटन टेस्ट : मिचेल और फिलिप्स की जुझारू बल्लेबाजी से न्यूजीलैंड ने भारत को जीत से रोका

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ने पहले टेस्ट के आखिरी दिन सोमवार को शानदार धैर्य और संघर्ष का प्रदर्शन करते हुए भारत को जीत से वंचित कर दिया। मेजबान टीम ने दूसरी पारी में 120 ओवर बल्लेबाजी करते हुए मुकाबला ड्रॉ करा लिया। अंतिम दिन सुबह के सत्र में दो विकेट गंवाने के बावजूद न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों ने पूरे दिन भारतीय गेंदबाजों को परेशान किया। डेरिल मिचेल (186 गेंदों पर नाबाद 49) और ग्लेन फिलिप्स (126 गेंदों पर नाबाद 26) ने छठे विकेट के लिए 63 रन की अटूट साझेदारी कर टीम को पांच विकेट पर 239 रन तक पहुंचाया और भारतीय टीम को जीत से दूर कर दिया।



वेलिंगटन में सुबह मौसम धीमा और तेज हवाओं वाला था। पहले सत्र में 26 ओवर के खेल में केवल 38 रन बने। इस दौरान रन गति 1.46 रन प्रति ओवर रही। हालांकि, भारत ने दो विकेट हासिल किए और डेवोन कॉनवे तथा रचिन रवींद्र के बीच दूसरे विकेट के लिए हुई 72 रन की जुझारू साझेदारी को तोड़ा। दोनों बल्लेबाज 200 से अधिक गेंदों तक रक्षात्मक अंदाज में भारतीय गेंदबाजों का सामना करते रहे और बीच-बीच में चौके लगाते रहे।

सत्र शुरू होने के लगभग एक घंटे बाद वाशिंगटन सुंदर ने हवा की मदद से गेंद को टर्न और ड्रिफ्ट कराते हुए कॉनवे को आउट किया। कॉनवे (165 गेंदों पर 65 रन) के बल्ले का अंदरूनी किनारा लगा, गेंद उनके पैड से टकराकर उछली और विकेटकीपर ऋषभ पंत के दस्तानों में समा गई। इस बीच, जसप्रीत बुमराह को पिच पर दौड़ने के लिए आधिकारिक चेतावनी भी दी गई।

शुभमन गिल ने गेंदबाजी में बदलाव करते हुए दूसरे घंटे में प्रसिद्ध कृष्णा को आक्रमण पर लगाया। लंबे कद के तेज गेंदबाज ने रवींद्र को अपना शिकार बनाया। रवींद्र ड्राइव खेलने गए, लेकिन गेंद पिच पर रुककर आई और उनके बल्ले का किनारा लेकर गली में चली गई, जहां केएल राहुल ने शानदार कैच पकड़ा। रवींद्र 129 गेंदों पर 37 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद टॉम ब्लंडेल और डेरिल मिचेल ने मोर्चा संभाला और बिना कोई और विकेट गंवाए सत्र समाप्त किया।

दूसरे सत्र की शुरूआत में भारत के पास रन आउट का मौका था, लेकिन आकाश दीप मिड ऑन पर गेंद को ठीक से नहीं पकड़ सके और मिचेल को जीवनदान मिल गया। इस प्रयास से कप्तान गिल काफी नाराज दिखे। हालांकि, दो ओवर बाद अंशुल कंबोज ने ब्लंडेल को विकेट के पीछे कैच करा दिया। भारत ने डीआरएस का सहारा लिया और फैसला उसके पक्ष में रहा। इस तरह न्यूजीलैंड का स्कोर पांच विकेट पर 176 रन हो गया।

भारत ने 83वें ओवर की शुरूआत में दूसरी नई गेंद ली। बुमराह ने एक छोर से और आकाश दीप ने दूसरे छोर से गेंदबाजी शुरू की। पेयजल विश्राम से पहले मिचेल और ग्लेन फिलिप्स ने एक-एक चौका लगाया। फिलिप्स ने आकाश दीप की गेंद को कवर के ऊपर से खेलकर चौका लगाया और न्यूजीलैंड को 200 रन के पार पहुंचाया। इसके बाद प्रसिद्ध ने बुमराह की जगह गेंदबाजी संभाली और मिचेल को परेशानी में डाला। हालांकि, फॉरवर्ड शॉर्ट लेग पर क्षेत्ररक्षक नहीं होने के कारण भारत एक आसान कैच का मौका गंवा बैठा। वाशिंगटन की गेंद पर पैड से टकराने के बाद भारत ने फिलिप्स के खिलाफ डीआरएस लिया, लेकिन अंपायर्स कॉल के कारण वह नॉटआउट रहे। मिचेल और फिलिप्स ने चाय तक बल्लेबाजी जारी रखी और भारत को कोई और सफलता नहीं मिलने दी।

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह का राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह का आज यहां राष्ट्रपति भवन में भव्य औपचारिक स्वागत किया गया। राष्ट्रपति भवन पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनकी अगवानी करते हुए स्वागत किया। इस दौरान बालेंद्र शाह ने राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी भी उनके साथ मौजूद रहे।

समारोह उपरांत, प्रधानमंत्री मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने क्रमशः भारतीय और नेपाली



प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों से भी मुलाकात की। इस दौरान शाह ने राजघाट पहुंचकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि भी अर्पित की।

बालेन्द्र शाह अपनी पहली भारत यात्रा पर कल नई दिल्ली पहुंचे। दोनों देश अपने समग्र द्विपक्षीय संबंधों को नए सिरे से मजबूत करने, ऊर्जा, कनेक्टिविटी, रेलवे, बुनियादी ढांचे, तकनीक, मानव संसाधन विकास और जलवायु परिवर्तन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण समझौते करने की दिशा में काम कर रहे हैं। 36 वर्षीय बालेन्द्र शाह की यह पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा भी है। प्रधानमंत्री मोदी के साथ आज उनकी होने वाली वार्ता से भविष्य के लिए द्विपक्षीय साझेदारी की रूपरेखा तय होने और सहयोग के नए रास्ते खुलने की उम्मीद है।

बालेंद्र शाह के साथ 35 सदस्यीय उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया है। इस यात्रा के दौरान नेपाल-भारत बिजनेस फोरम का भी आयोजन होना है। भारत और नेपाल के बीच खुली सीमा, आपसी विश्वास, साझा परंपराओं और लोगों के बीच गहरे जुड़ाव पर आधारित अनूठे और व्यापक संबंध हैं। विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए दोनों देशों के बीच 40 से अधिक द्विपक्षीय संस्थागत तंत्र काम कर रहे हैं।

प्रदूषण की मार से कराहती जीवनदायिनी गंगा: संकट में राष्ट्रीय जलीय जीव डॉल्फिन और जैव-विविधता

भागलपुर : पवित्र और जीवनदायिनी मानी जाने वाली गंगा नदी जिले में इन दिनों बढ़ते प्रदूषण और मानवीय हस्तक्षेप के कारण गंभीर पारिस्थितिक संकट से जूझ रही है। सुल्तानगंज से कहलगांव तक फैला देश का एकमात्र 'विक्रमशिला गांगेय डॉल्फिन अभयारण्य' भले ही संरक्षण प्रयासों के चलते डॉल्फिनों की संख्या में सुधार का गवाह बना हो, लेकिन नदी के पानी की गिरती गुणवत्ता ने जलीय जीवों के अस्तित्व पर नए सिरे से सवाल खड़े कर दिए हैं।
नमामि गंगे परियोजना और विभिन्न जागरूकता अभियानों के बावजूद, जिले के शहरी घाटों और औद्योगिक क्षेत्रों के पास गंगा का जल तेजी से प्रदूषित हो रहा है। नदी के पानी में बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड का स्तर बढ़ रहा है और घुलित ऑक्सीजन में कमी आ रही है। मानसून के बाद जलस्तर घटने पर नदी के किनारे जमा गाद और गंदगी की स्थिति और भी भयावह हो जाती है। उल्लेखनीय है कि शहर के दर्जनों छोटे-बड़े नालों का गंदा पानी बिना पूरी तरह ट्रीट किए सीधे गंगा में गिराया जा रहा है। इसके अलावा घाटों पर प्लास्टिक, पूजा सामग्री और ठोस कचरे का अंबार लग रहा है।

एनसीडीईएक्स पर बिनौला खली और ग्वार कॉम्प्लेक्स में लौटी चमक, हल्दी और धनिया में मुनाफावसूली हावी

एजेंसी



नई दिल्ली : नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज (एनसीडीईएक्स) पर सप्ताह के पहले कारोबारी दिन आज कृषि जिंसों के कारोबार में मिला-जुला रुख नजर आ रहा है। पिछले सप्ताह की गिरावट के बाद आज सुबह बिनौला खली और ग्वार कॉम्प्लेक्स में निचले स्तरों पर अच्छी खरीदारी लौट आई है, जबकि हल्दी और धनिया में मुनाफावसूली का दबाव बना हुआ है। हाजिर मंडियों में आवक की स्थिति और निर्यात मांग के संकेतों के आधार पर ट्रेडर्स और मिलर्स अपनी नई पोजीशन बना रहे हैं। पशु आहार क्षेत्र की प्रमुख जिंस बिनौला खली यानी कपासिया खली (कॉटन सीड ऑयल केक) में आज सुबह सबसे अधिक तेजी दर्ज की गई है। एनसीडीईएक्स पर बिनौला खली का दिसंबर वायदा कॉन्ट्रैक्ट 2.11 प्रतिशत की शानदार बढ़त के साथ 4,110 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आया। इसी तरह इसका जनवरी वायदा कॉन्ट्रैक्ट 1.52 प्रतिशत उछल कर 4,142.00 रुपये और फरवरी वायदा 1.68 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,169.00 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर पहुंच गया। डेयरी और पशु आहार निमार्ताओं की लगातार बढ़ती हाजिर मांग तथा कपास की सीमित आवक के कारण बिनौला खली की कीमतों को मजबूत समर्थन मिल रहा है। ग्वार कॉम्प्लेक्स में भी आज सुबह खरीदारों की सक्रियता लौटने से सकारात्मक माहौल बना हुआ है। ग्वार सीड का दिसंबर वायदा कॉन्ट्रैक्ट 0.85 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,225.00 रुपये प्रति क्विंटल और जनवरी वायदा कॉन्ट्रैक्ट 1.04 प्रतिशत उछल कर 8,352 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

विद्यालयों में संविधान की प्रस्तावना के सामूहिक वाचन से संवैधानिक मूल्यों को आत्मसात करेंगे विद्यार्थी

एजेंसी



लखनऊ : उत्तर प्रदेश सरकार विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक परंपराओं और संविधान निर्माण की गौरवशाली यात्रा से जोड़ने की विशेष पहल कर रही है। इसी क्रम में प्रदेश के सभी परिषदीय एवं माध्यमिक विद्यालयों में संविधान दिवस पर 26 नवंबर को विशेष आयोजन किए जाएंगे। विद्यार्थी और शिक्षक संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन करेंगे, संविधान सभा के सदस्यों और उनके योगदान से परिचित होंगे तथा पोस्टर, चित्रकला, बुकमार्क, बैज और कोलाज जैसी रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से संविधान के विचारों को अभिव्यक्त करेंगे। इस पहल के माध्यम से योगी सरकार विद्यालयों को संवैधानिक चेतना और लोकतांत्रिक मूल्यों के विकास का सशक्त केंद्र बनाने की दिशा में प्रयासरत है। उद्देश्य है कि विद्यार्थी संविधान को पढ़ें, उसके आदर्शों को समझें, उनका सम्मान करें और अपने व्यवहार एवं जीवन में उन्हें अपनाने के लिए प्रेरित हों।

महानिदेशक, स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने बताया कि ह्लसंविधान दिवस विद्यार्थियों को देश के संवैधानिक मूल्यों और लोकतांत्रिक आदर्शों से जोड़ने का महत्वपूर्ण अवसर है। विद्यालयों में प्रस्तावना का सामूहिक वाचन और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों में संविधान के प्रति सम्मान, अधिकारों एवं कर्तव्यों की समझ और जिम्मेदार नागरिकता का भाव विकसित किया जाएगा। प्रस्तावना के सामूहिक वाचन से होगी संवैधानिक मूल्यों की शुरूआत संविधान दिवस के अवसर पर विद्यालयों में प्रातःकालीन प्रार्थना सभा को विशेष रूप दिया जाएगा। इसमें शिक्षक और विद्यार्थी एक साथ संविधान की प्रस्तावना का वाचन करेंगे। इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों को संविधान के मूल उद्देश्यों और उसमें निहित आदर्शों से परिचित कराया जाएगा। उन्हें यह समझने का अवसर मिलेगा कि न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता भारतीय लोकतंत्र की आधारशिला हैं और प्रत्येक नागरिक के जीवन में इन मूल्यों का विशेष महत्व है।

संविधान निर्माण की ऐतिहासिक यात्रा से रूबरू होंगे विद्यार्थी विद्यालयों में संविधान निर्माण की प्रक्रिया, संविधान सभा की भूमिका और उसके सदस्यों के योगदान पर परिचर्चा एवं अन्य शैक्षिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। विद्यार्थियों को संविधान निर्माण से जुड़े ऐतिहासिक तथ्यों और महत्वपूर्ण प्रसंगों की जानकारी दी जाएगी। इसका उद्देश्य नई पीढ़ी को संविधान के निर्माण के पीछे की विचारधारा, लोकतांत्रिक विमर्श और सामूहिक प्रयासों से परिचित कराना है।

संविधान दिवस को विद्यार्थियों के लिए रोचक और सहभागितापूर्ण बनाने के उद्देश्य से पोस्टर, चित्रकला, बुकमार्क, बैज और कोलाज निर्माण जैसी गतिविधियां कराई जाएंगी। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चे संविधान के मूल सिद्धांतों, नागरिक अधिकारों, कर्तव्यों और राष्ट्रीय मूल्यों को अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति के जरिए प्रस्तुत करेंगे।

लखनऊ में प्लाटून कमांडर, ब्लॉक ऑर्गनाइजर और हवलदार प्रशिक्षक के 504 पदों के लिए हुई मुख्य परीक्षा

एजेंसी



लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में सरकारी भर्तियों को पारदर्शी, निष्पक्ष और नकलविहीन बनाने के उद्देश्य से परीक्षा व्यवस्थाओं में तकनीक का व्यापक इस्तेमाल किया जा रहा है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (वढरररउ) की ओर से रविवार को आयोजित प्लाटून कमांडर/ब्लॉक ऑर्गनाइजर और हवलदार प्रशिक्षक मुख्य परीक्षा-2026 शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न हुई। दोनों परीक्षाएं लखनऊ के कुल 48 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित की गईं। पहली पाली में सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक प्लाटून कमांडर/ब्लॉक ऑर्गनाइजर मुख्य परीक्षा आयोजित हुई। होमगार्ड्स मुख्यालय के अंतर्गत 295 पदों के लिए हुई इस परीक्षा में 11,781 अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र जारी किए गए थे, जिनमें से 6,211 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। इस प्रकार 52.72 प्रतिशत अभ्यर्थी उपस्थित रहे। वहीं, दूसरी पाली में दोपहर 03 से शाम 05 बजे तक हवलदार प्रशिक्षक मुख्य परीक्षा आयोजित की गई। इसके तहत 209 पदों के लिए 10,025 अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र जारी किए गए थे। इनमें से 4,777 अभ्यर्थियों ने परीक्षा में हिस्सा लिया। इस परीक्षा में 47.65 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। दोनों परीक्षाओं को मिलाकर कुल 504 पदों के लिए 21,806 अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र जारी किए गए थे, जिनमें से 10,988 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए आयोग ने आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया। परीक्षा केंद्रों पर फेशियल रिकॉग्निशन (एआई), आधार आधारित प्रमाणीकरण और बायोमेट्रिक सत्यापन की व्यवस्था की गई। प्रत्येक अभ्यर्थी का फोटो और आइरिस बायोमेट्रिक कैप्चर किया गया। इसके बाद प्रारंभिक अर्हता परीक्षा के दौरान दर्ज बायोमेट्रिक डाटा से एआई के माध्यम से मिलान किया गया।

हिमाचल में सूखी ठंड से बढ़ी परेशानी, तीन जगह माइनस में पारा

एजेंसी



शिमला : हिमाचल प्रदेश में बारिश और बर्फबारी न होने से सूखी ठंड का असर बढ़ता जा रहा है। रात के तापमान में गिरावट के कारण सुबह और शाम के समय ठिठुरन बढ़ गई है। जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति के तीन प्रमुख क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे पहुंच गया है। यहां कड़ाके की ठंड के कारण प्राकृतिक जलस्रोतों और नालों का पानी जमने लगा है। सूखी ठंड से बच्चों और बुजुर्गों के बीमार पड़ने का खतरा भी बढ़ रहा है। सोमवार को प्रदेश के औसत न्यूनतम तापमान में 0.6 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार अगले एक सप्ताह तक प्रदेश में मौसम साफ रहेगा और बारिश या बर्फबारी की कोई संभावना नहीं है। मौसम विभाग के ताजा आंकड़ों के अनुसार प्रदेश के पांच शहरों में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया है। पालमपुर में न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.0 डिग्री सेल्सियस कम होकर 5.5 डिग्री सेल्सियस रहा। नाहन में यह सामान्य से 2.4 डिग्री कम होकर 9.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसी तरह मंडी में तापमान सामान्य से 0.9 डिग्री कम होकर 6.7 डिग्री, चंबा में 0.7 डिग्री कम होकर 6.0 डिग्री और कांगड़ा में 0.6 डिग्री कम होकर 7.5 डिग्री सेल्सियस रहा। प्रदेश के ऊंचाई वाले और जनजातीय क्षेत्रों में ठंड का असर अधिक है। लाहौल-स्पीति के कुकुमसेरी में न्यूनतम तापमान माइनस 3.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। केलांग में यह माइनस 2.0 डिग्री और ताबो में माइनस 1.3 डिग्री सेल्सियस रहा। इन इलाकों में तापमान शून्य से नीचे रहने के कारण ठंड का प्रकोप बढ़ गया है। कल्पा में न्यूनतम तापमान 1.8 डिग्री, मनाली में 2.6 डिग्री, सियोबाग में 3.0 डिग्री और बजौरा में 3.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अन्य शहरों के तापमान पर नजर डालें तो भुंतर में न्यूनतम तापमान 4.3 डिग्री, सोलन में 5.0 डिग्री, सुंदरनगर में 5.6 डिग्री और बरठीं में 6.3 डिग्री सेल्सियस रहा।

तेज शुरूआत के बाद फिसला शेयर बाजार

सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 1,400 अंक से अधिक लुढ़का

एजेंसी



नई दिल्ली : घरेलू शेयर बाजार आज शानदार तेजी के साथ शुरूआत करने के बाद ऊपरी स्तर पर भारी मुनाफावसूली का माहौल बन जाने के कारण गिरावट का शिकार हो गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों की मजबूत लिवाली और अमेरिकी स्टॉक फ्यूचर्स में आई तेजी के दम पर आज सुबह सेंसेक्स और निफ्टी 50 दोनों प्रमुख सूचकांकों ने जोरदार उछाल के साथ कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलने के बाद इन दोनों सूचकांकों की चाल में और तेजी आई। हालांकि, कुछ देर बाद ही बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विस और मेटल सेक्टर के दिग्गज शेयरों में बिकवाली का दबाव हावी हो गया। इस चौतरफा मुनाफावसूली के कारण दोनों सूचकांक अपनी शुरूआती बढ़त गंवाकर लाल निशान में फिसल गए। सुबह 10:15 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.63 प्रतिशत और निफ्टी 50 सूचकांक 0.74 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स आज 502.26 अंक यानी 0.60 प्रतिशत की छलांग लगा कर 84,421.97 अंक के स्तर पर खुला। इसके पहले प्री-ओपनिंग सेशन में यह सूचकांक 84,687.27 अंक के स्तर तक भी पहुंचा था। कारोबार की शुरूआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 84,662.96 अंक के स्तर पर पहुंचा। हालांकि सेंसेक्स की यह तेजी टिक नहीं सकी। थोड़ी देर बाद ही मेटल, बैंकिंग और कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में तेज बिकवाली शुरू हो गई। इस दबाव के कारण सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 1,400 अंक से अधिक लुढ़क कर 83,210.08 अंक के निचले स्तर तक फिसल गया। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 526.35 अंक यानी 0.63 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 83,393.36 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की ही तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी 50 ने भी आज 128.55 अंक यानी 0.50 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,929.15 अंक के स्तर से अपने कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलने के तुरंत बाद लिवाली के सपोर्ट से यह सूचकांक उछल कर 25,992.60 अंक के स्तर तक पहुंचा। इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इसकी चाल में गिरावट आ गई। खासकर, बैंकिंग और मेटल शेयरों में हुई भारी बिकवाली के चलते यह सूचकांक ऊपरी स्तर से 425 अंक से ज्यादा फिसल कर लाल निशान में 25,567.30 अंक के स्तर तक चला गया। हालांकि, निचले स्तर पर आईटी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स शेयरों से मिल रहे सपोर्ट के कारण निफ्टी 50 सूचकांक की गिरावट पर कुछ अंकुश भी लगा है। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 50 सूचकांक 191.55 अंक यानी 0.74 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,609.05 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेक्टोरल फ्रंट पर आज आईटी, टेक, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एफएमसीजी और हेल्थकेयर सेक्टर के शेयरों में मजबूती का रुख बना हुआ है, जिससे बाजार को निचले स्तर पर कुछ सहारा मिल रहा है। दूसरी ओर, मेटल, बैंकिंग, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइजेज, ऑयल एंड गैस और कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में भारी बिकवाली का दबाव हावी है, जिसके चलते इन सेक्टर्स के इंडेक्स लाल निशान में कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,917 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,150 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,767 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 12 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 18 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 21 शेयर हरे निशान में और 29 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

आज सुबह के शुरूआती कारोबारी सत्र में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर दिग्गज कंपनियों में से टॉप गेनर्स की सूची में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) 3.40 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,457 रुपये के भाव पर सबसे आगे बना हुआ था।

न्यूज IN ब्रीफ

मप्र के अनूपपुर में सड़क हादसे में आर्मी जवान सहित तीन लोगों की मौत, ट्रक से टकराई तेज रफ्तार बोलेरो

अनूपपुर : मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में शादी में शामिल होने के लिए छुट्टी लेकर घर लौट रहे सेना के जवान और उसके सगे भाई समेत तीन लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गई। सोमवार तड़के तेज रफ्तार बोलेरो छूलहा गांव के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसे में मृतकों में बोलेरो का मालिक भी शामिल है। जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल है। हादसा सोमवार सुबह करीब 4 बजे जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के छूलहा गांव के पास हुआ। बोलेरो की रफ्तार तेज होने के कारण वह सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन में सवार तीन लोगों की जान चली गई। मृतकों की पहचान दीनबंधु विश्वकर्मा (36), विनीत विश्वकर्मा (26) और मोहम्मद करीम (32) के रूप में हुई है। विनीत सेना में जवान था और अपने दोस्त की शादी में शामिल होने के लिए छुट्टी लेकर घर लौट रहा था। वहीं, घायल राजू तिवारी (30), पिता सुरेश तिवारी, धनगवां का निवासी है। उसे प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज शहडोल रेफर किया गया है। हादसे की जानकारी मिलने के बाद मृतकों के परिजन जिला अस्पताल स्थित पुलिस सहायता केंद्र पहुंचे। विनीत के पिता जयकरण विश्वकर्मा ने बताया कि उनका सबसे छोटा बेटा सेना में जवान था। वह दोस्त की शादी में शामिल होने के लिए छुट्टी लेकर घर आ रहा था। शादी छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में होनी थी।
जयकरण ने बताया कि विनीत रात करीब 3 बजे ट्रेन से पहुंचा था। इसके बाद वह घर लौटने के लिए निकला। उसके साथ बड़ा भाई दीनबंधु और दोस्त राजू तिवारी भी थे। छूलहा गांव के पास बोलेरो किस तरह ट्रक से टकराई, इसकी जानकारी उन्हें नहीं है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने सोमवार सुबह करीब 5:30 बजे फोन कर हादसे की सूचना दी। इसके बाद परिवार के लोग घटनास्थल और जिला अस्पताल पहुंचे। परिवार की आजीविका का सहारा भी हादसे ने छीन लिया है। जयकरण लोहारी का काम करते हैं। उनका सबसे बड़ा बेटा कियोस्क सेंटर चलाता है, जबकि दीनबंधु पंचायत में सेल्समैन था। हादसे में जान गंवाने वाले तीसरे व्यक्ति मोहम्मद करीम (32) धनगवां के रहने वाले थे। वह बोलेरो के मालिक थे। उनका परिवार मूल रूप से बिहार के मुजफ्फरपुर का रहने वाला है। करीम की जैतहरी में टायर रिपेयरिंग की दुकान थी। परिवार में दो भाई और चार बहनें हैं। उनकी शादी नहीं हुई थी। हादसे के समय उनके पिता शादी समारोह में शामिल होने बिहार गए हुए थे। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने जांच के बाद तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल राजू तिवारी का उपचार शुरू किया। हालत नाजुक होने पर प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज शहडोल रेफर किया गया। तीनों मृतकों के शव जिला अस्पताल की मचुर्री में रखवाए गए हैं। पुलिस सहायता केंद्र में परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया भी की जा रही है। अनूपपुर कोतवाली थाना प्रभारी प्रवीण कुमार साहू ने बताया कि जिस ट्रक से बोलेरो टकराई, उसका रिफ्लेक्टर बंद था। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस मामले में एफआईआर दर्ज करेगी।

ई-रिक्शा पर सवार स्कूली बच्चों को कार ने मारी टक्कर,ड्राइवर समेत छह स्कूली बच्चे गंभीर रूप से घायल

अररिया : अररिया बिजली ऑफिस के समीप एनएच 327ई पर ई-रिक्शा पर सवार स्कूली बच्चों की गाड़ी पर तेज अनियंत्रित कार ने जोरदार की टक्कर मार दी।जिसमें ई रिक्शा के चालक समेत ई रिक्शा पर सवार छह बच्चे बुरी तरह घायल हो गए।सभी घायलों को स्थानीय लोगों के द्वारा आनन फानन में सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।जहां सभी बच्चे का प्राथमिक इलाज किया गया।वहीं दो बच्चों की नाजुक हालत को देखते हुए उन्हें पूर्णिया हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।जबकि ड्राइवर समेत अन्य बच्चों का इलाज सदर अस्पताल में किया जा रहा है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो रिक्शा जहां पूरी तरह आगे जाकर पलट गया वहीं कार के आगे के भाग के परखच्चे उड़ गए।हादसे के बाद कार के चालक गाड़ी को छोड़कर मौके से फरार हो गया।सभी बच्चे अररिया जीरो माईल के समीप संचालित अल गजाली इंटरनेशनल स्कूल के बच्चे हैं।घटना के बाद घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई।वहीं सदर अस्पताल में भी बड़ी संख्या परिजन पहुंचे है। घटनास्थल पर मौजूद ओमनगर निवासी संतोष मंडल ने बताया कि सभी बच्चे ई रिक्शा पर सवार थे और स्कूल की ओर जा रहे थे।इसी क्रम में तेज और नियंत्रित कार ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे ई-रिक्शा पलट गया और मौके पर ही ड्राइवर समेत सवार सभी छह बच्चे बुरी तरह जख्मी हो गए। उन्होंने बताया की टक्कर इतनी जोरदार थी कि ई रिक्शा कई मीटर दूर जाकर पलट गई जबकि कर के सामने वाले भाग के परखच्चे उड़ गए।घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई और फिर स्थानीय लोगों के द्वारा सभी को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया।जहां दो बच्चों की नाजुक हालत को देखते हुए उन्हें रेफर कर दिया गया है। हादसे के बाद ई रिक्शा से निजी स्कूल के द्वारा बच्चों को ढोए जाने को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं।जानकारी के अनुसार, ई-रिक्शा अल गजाली इंटरनेशनल स्कूल के ही हैं।

अररिया में धान के बोझे में लगी भीषण आग, 40 से 45 बीघा में लगा धान जलकर राख

अररिया : जिले के कुसार्काटा प्रखंड के मेहंदीपुर चौक में बीती देर रात किसान द्वारा खेत से काटकर रखा गया धान के बोझे में आग लग गई,जिसमें करीबन 40 से 45 बीघा खेत का धान जलकर राख हो गया।धान के फसल को काटकर खेत में एक स्थान पर रखा हुआ था,उसी दौरान मध्य रात्रि को उसमें अचानक आग लग गई।आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है।आगजनी से किसान को भारी नुकसान हुआ है।हालांकि पीड़ित किसानों का कहना है कि बिजली के तार में शॉर्ट सर्किट होने के कारण आग लगी है। स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा हो रही है कि शादी का लग्न बीती रात काफी था और लोगों की रातभर आवाजाही हो रही थी।ऐसे में सिगरेट और पटाखा और आतिशबाजी की चिंगारी से भी आग लगने की आशंका जाहिर की जा रही है।हालांकि, इस बात की भी अभी पुष्टि नहीं हुई है। फिलहाल आग लगने के वास्तविक कारणों का पता जांच के बाद ही चल सकेगा। इस घटना से किसान को भारी आर्थिक क्षति होने की आशंका है। किसानों ने प्रशासन से घटना की जांच कर उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है।

इंदौर की कृष्णबाग कॉलोनी में बुलडोजर कार्रवाई शुरू, 62 मकान हटाए जाएंगे, भारी पुलिस बल के साथ पहुंची निगम-प्रशासन की टीम

इंदौर : मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में एमआर-10 स्थित कृष्णबाग कॉलोनी में सोमवार सुबह नगर निगम और जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में निगम की टीम बुलडोजर लेकर सुबह करीब 7 बजे कॉलोनी पहुंची और विवादित जमीन पर बने मकानों को हटाने की प्रक्रिया शुरू की। यहां कुल 62 मकानों को हटाया जाना है। कार्रवाई शुरू होते ही कॉलोनी में हलचल मच गई। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर मौके पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। दरअसल, ग्राम खजराना स्थित सर्वे नंबर 66/2(क) की 0.720 हेक्टेयर जमीन पर बने मकानों को लेकर श्रीराम बिल्डर्स और रहवासियों के बीच वर्ष 2003 से विवाद चल रहा है। जमीन के स्वामित्व और कब्जे को लेकर शुरू हुआ यह मामला तहसीलदार से लेकर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है। अब कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्रशासन ने बेदखली के आदेशों के तहत मकानों को हटाने की कार्रवाई शुरू की है।
कार्रवाई से पहले इस मामले में हाईकोर्ट का आदेश भी सामने आया। शुक्रवार को हाईकोर्ट की डबल बेंच ने जगदीश कुमावत सहित 19 रहवासियों को अंतरिम राहत देते हुए फिलहाल बेदखल नहीं करने के निर्देश दिए थे। इसके चलते इन 19 रहवासियों के मकानों पर फिलहाल कार्रवाई नहीं की जाएगी। वहीं, शेष 62 रहवासियों के खिलाफ बेदखली के आदेश अंतिम हो चुके हैं। इसी आधार पर प्रशासन ने बाकी मकानों को हटाने की प्रक्रिया शुरू की है। कृष्णबाग कॉलोनी में बेदखली की कार्रवाई पहले भी प्रस्तावित की गई थी, लेकिन पुलिस बल उपलब्ध नहीं होने के कारण इसे टालना पड़ा। पहले 16 और 17 नवंबर को कार्रवाई की तैयारी की गई थी, लेकिन पर्याप्त पुलिस बल नहीं मिलने से कार्रवाई नहीं हो सकी। इसके बाद 18 और 19 नवंबर को भी कार्रवाई टल गई। अब सोमवार को पुलिस बल की उपलब्धता के बाद नगर निगम, जिला प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई शुरू कर दी है।

चापर में राष्ट्रीय राजमार्ग 17 पर हुए सड़क हादसे में महिला की मौत

धुबड़ी (असम) :जिले के चापर इलाके में बीती रात राष्ट्रीय राजमार्ग 17 पर हुए एक भयावह सड़क हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गयी। बताया गया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग 17 पर यह हादसा नाथपारा इलाके में हुआ। हादसे में महिला का सिर बुरी तरह से फटकर सड़क पर गिर गया। यह दुर्घटना एक ई-रिक्शा (एएस-19एसी-9145) वाहन को सामने आ रहे ट्रक (एएस-19एसी-3271) द्वारा ठोकर मारे जाने के कारण हुआ। हादसे के बाद अंधेरे का फायदा उठाते हुए ट्रक चालक मौके से फरार हो गया।

न्यूज IN ब्रीफ

झामुमो प्रधान कार्यालय में जनता दरबार



मुरी : सिल्ली झामुमो प्रधान कार्यालय में जनता दरबार लगाया गया। बिधायक अमित महतो को दुर दुर से आए जनता ने आवेदन देकर समस्या के समाधान के लिए फरियाद किया। सिल्ली की वेवी कुमारी ने राशन कार्ड बनाने और वही रिंकी कुमारी माईयां सम्मान नही बनने को लेकर आवेदन दी। लुपुंग काडाकाटा में मुनु देवी जमीन दाखिल नहीं होने का आवेदन दिया है। फिर भारत गैस एजेंसी द्वारा सिल्ली की ललिता अग्रवाल को कई महीनों से कुकिंग गैस नहीं देने की शिकायत की। इसी तरह कोई काम के लिए जनता दरबार में आवेदन दिया। मौके पर संतोष, नौसाद, समीर, समेत काफी संख्या में लोगों की भीड़ थी।

विकास और जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आए महिलाएं : सुदेश महतो

मुरी : आजसू पार्टी प्रधान कार्यालय के समीप स्थित आम बागान में आजसू पार्टी की ओर से प्रखंड स्तरीय महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष सोमरी देवी ने की। सम्मेलन में मुख्य अतिथि पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सह पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने सम्मेलन में संगठन को मजबूत बनाने, राजनीति एवं सामाजिक कार्यों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने तथा उनके अधिकार, सम्मान और स्वावलंबन जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान प्रखंड की प्रत्येक पंचायत से महिलाओं का चयन किया गया। इनके माध्यम से आगे मजबूत संगठनात्मक टीम तैयार कर महिलाओं के सशक्तीकरण और क्षेत्र के विकास के लिए काम किया जाएगा। सुदेश कुमार महतो ने महिलाओं से संगठित होकर पूरी जिम्मेदारी के साथ क्षेत्र के विकास और जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए महिलाओं की भूमिका अहम है। उन्होंने युवाओं में बढ़ते नशे की प्रवृत्ति पर चिंता जताते हुए माताओं-बहनों से इसकी रोकथाम की शुरूआत अपने घर और परिवार से करने की अपील की।वहीं सम्मेलन में पुर्व प्रखंड प्रमुख सह मुखिया रेखा देवी, बालिका रानी, पुर्व पसस उर्मिला देवी, रीता महली, परमेश्वरी देवी, गीता देवी, प्रमिला देवी, प्रियंका देवी आदि महिलाओं ने भी अपनी बात रखते हुए सरकार और स्थानीय व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद क्षेत्र में विकास कार्यों की गति धीमी पड़ गई है। प्रखंड कार्यालय में आम लोगों के काम नहीं हो रहे हैं और क्षेत्र में विकास की स्थिति संतोषजनक नहीं है। महिलाओं ने इन समस्याओं के समाधान के लिए संगठन के माध्यम से आवाज बुलंद करने की बात कही। इस मौके पर चारु बाला देवी, अरुणा , सुशील महतो, ज्योति कुमारी, सोमारी देवी, मुखिया शर्मिला कुमारी, समेत काफी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं।

कार्तिक पूर्णिमा स्नान से पहले घाट का जायजा लेने पहुंची केंद्रीय समिति, कहा- छठ महापर्व जैसा भव्य रहेगा कार्तिक उत्सव

संवाददाता

चक्रधरपुर : कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर 24 नवंबर की सुबह पुरानी बस्ती स्थित संजय नदी सीढ़ी घाट पर भव्य उत्सव मनाया जाएगा। पंचक स्नान के समापन पर होने वाले इस धार्मिक आयोजन को लेकर सोमवार को केंद्रीय छठ पूजा समिति के पदाधिकारी तैयारियों का जायजा लेने घाट पहुंचे।

समिति के सदस्य घाट की सजावट को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि जिस तरह छठ महापर्व ऐतिहासिक रूप से संपन्न हुआ, उसी तरह कार्तिक पूर्णिमा का उत्सव भी बेहद आकर्षक और भव्य रहेगा।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए केंद्रीय छठ पूजा समिति की ओर से पूरे घाट की साफ-सफाई के साथ-साथ रंग-बिरंगी विद्युत लाइटों और फूलों से विशेष सजावट की जा रही है। सुबह के समय पवित्र स्नान और पूजा-अर्चना के दौरान श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए घाट पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था की गई है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, कार्तिक पूर्णिमा पर पवित्र नदी में स्नान और पूजा करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। इसी आस्था के साथ मंगलवार सुबह बड़ी संख्या में श्रद्धालु नदी में आस्था की डुबकी लगाकर भगवान की आराधना करेंगे और अपने परिवार की सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करेंगे। सजावट और तैयारियों के बीच घाट पर अभी से ही भक्तिमय



माहौल बना हुआ है।

इस मौके पर उपाध्यक्ष शेष नारायण लाल, विजय दत्ता, सह सचिव कुमार विवेक, परमेंद्र चौहान, भरत सिंह, राजेश गुप्ता, राकेश रंजन, अभय साव, रोहित शाह एवं मनोज मंत्री आदि मौजूद थे।

मठ चिलावे सड़क निर्माण में घटिया सामग्री के इस्तेमाल का आरोप, कुछ महीनों में ही सड़क क्षतिग्रस्त

संवाददाता

सारण : सारण जिले में सड़क निर्माण की गुणवत्ता को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो रहे हैं। मठ चिलावे को जोड़ने वाली सड़क निर्माण के कुछ ही महीनों बाद क्षतिग्रस्त हो गई है। स्थानीय स्थिति को देखते हुए सड़क निर्माण में घटिया सामग्री के इस्तेमाल और सरकारी राशि के दुरुपयोग के आरोप लगाए जा रहे हैं। बताया जाता है कि इस सड़क के बीच में एक ईंट भट्ठा स्थित है, जहां से ट्रक, ट्रैक्टर और हाइवा जैसे भारी वाहनों का लगातार आवागमन होता है। भारी वाहनों के दबाव के कारण सड़क के कई हिस्सों में पहियों के गहरे निशान बन गए हैं। सड़क के साथ-साथ वहां बनी पुलिया भी क्षतिग्रस्त हो गई है, जिससे आम लोगों को आवागमन में काफी परेशानी हो रही है। सड़क की बदहाल स्थिति ने निर्माण कार्य के दौरान विभागीय निगरानी और अधिकारियों की जिम्मेदारी पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि यदि निर्माण के समय गुणवत्ता की उचित जांच और निगरानी की गई होती, तो सड़क की यह स्थिति नहीं होती।



स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी योजनाओं में खर्च होने वाली राशि जनता के पैसे से आती है, इसलिए निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करना अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

मेट्रो रेज की टीम ने सारण जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से सड़क की स्थिति की जांच कराने, निर्माण की गुणवत्ता की समीक्षा करने तथा दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही बिहार सरकार से सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता और सरकारी राशि के उचित उपयोग को सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है।

मेट्रो रेज की टीम बिहार के विभिन्न जिलों में सड़कों की वास्तविक स्थिति का जायजा लेकर सरकार और आम जनता तक समस्याएं पहुंचाने की पहल कर रही है।

तीन दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता संपन्न

हजारीबाग : रोला स्थित लोयोला विद्यालय में सेवा दर्पण की ओर से आयोजित तीन दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता उत्साह, खेल भावना और रोमांचक मुकाबलों के बीच संपन्न हुई। प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों के 144 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। समापन समारोह में खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिए हजारीबाग यूथ विंग के संरक्षक चंद्रप्रकाश जैन के निर्देश पर संस्था के उपाध्यक्ष विकास तिवारी एवं सचिव रितेश खण्डेलवाल अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

कोलेबिरा के ग्राम प्रधानों का हुआ सम्मान

संवाददाता

कोलेबिरा (सिमडेगा) : झारखंड राज्य स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर कोलेबिरा प्रखंड कार्यालय में विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रखंड क्षेत्र के ग्राम प्रधानों को अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

समारोह में जिला परिषद अध्यक्ष, सिमडेगा, प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी, कोलेबिरा तथा प्रखंड के विभिन्न पंचायतों के मुखियाओं ने ग्राम प्रधानों को सम्मानित किया।



कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि झारखंड राज्य का निर्माण धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष, त्याग और बलिदान का परिणाम है। राज्य की सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं को संरक्षित रखने में ग्राम प्रधानों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

उन्होंने कहा कि ग्राम प्रधान गांव की परंपरा, संस्कृति और विकास के सच्चे प्रहरी हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में शांति एवं व्यवस्था बनाए रखने, सरकारी विकास योजनाओं को धरातल तक पहुंचाने तथा समाज में एकता और भाईचारा कायम रखने में उनका योगदान सराहनीय है।सम्मान प्राप्त करने वाले ग्राम प्रधानों ने आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने गांव के सर्वांगीण विकास, सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारे को बनाए रखने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करने का संकल्प लिया।

समारोह में प्रखंड के विभिन्न पदाधिकारी, कर्मचारी, पंचायतों के मुखिया, पंचायत सचिव एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्राम प्रधानों के योगदान को सम्मान देना और ग्रामीण विकास में उनकी भूमिका को प्रोत्साहित करना रहा।

सोनपुर मेले को मिलेगी वैश्विक पहचान, दुनिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनाने का सम्राट चौधरी ने किया ऐलान

संवाददाता

पटना : मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को सारण जिले के सोनपुर में विश्व प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला-2026 का भव्य उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने सोनपुर में दुनिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनाने और आधुनिक टाउनशिप विकसित करने की बड़ी घोषणा की। साथ ही बाबा हरिहरनाथ मंदिर के 1,000 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास की बात कही।

मुख्यमंत्री ने सबसे पहले बाबा हरिहरनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना कर राज्य की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। इसके बाद दीप प्रज्वलित कर सोनपुर मेले का विधिवत उद्घाटन किया। उन्होंने रिमोट का बटन दबाकर मेले की आधिकारिक वेबसाइट, मोबाइल ऐप और एआई चैटबॉट का भी शुभारंभ किया। इस अवसर पर 'गजेंद्र मोक्ष : भक्ति, आस्था और ईश्वरीय कृपा की अमर गाथा' पर आधारित वीडियो का प्रदर्शन किया गया।

सोनपुर बनेगा विकास और रोजगार का बड़ा केंद्र

मुख्यमंत्री ने कहा कि सोनपुर मेले को केवल सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं रखना है, बल्कि इसे पर्यटन, व्यापार, रोजगार और बिहार की अर्थव्यवस्था का प्रमुख केंद्र बनाना है। मेले को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएंगे।

उन्होंने सोनपुर और आसपास के क्षेत्रों के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाओं की घोषणा की। गंगा और गंडक नदियों से गाद निकालने, गंगा अंबिका पथ तथा सोनपुर से गोपालगंज तक नारायणी पथ के निर्माण की बात कही। इससे क्षेत्र में आवागमन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

सोनपुर-हाजीपुर पुल होगा फोरलेन

मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले वर्ष जून से पहले सोनपुर-हाजीपुर पुल को दो लेन से चार लेन



में चालू करने का काम किया जाएगा। इसके अलावा सोनपुर में फूड प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित कर स्थानीय उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने की योजना है। इससे किसानों, उद्यमियों और युवाओं को रोजगार एवं कारोबार के नए अवसर मिलेंगे।

पांच वर्षों में 50 लाख करोड़ के निवेश का लक्ष्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वहीं, बिहार को वर्ष 2037 तक समृद्ध राज्य बनाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। अगले पांच वर्षों में बिहार में 50 लाख करोड़ रुपये का निवेश लाने का लक्ष्य रखा गया है।

उन्होंने बताया कि राज्य में 50 लाख महिलाओं को पशु सखी बनाया जाएगा। वर्ष 2030 तक बिहार में प्रतिदिन एक करोड़ लीटर दूध उत्पादन का लक्ष्य है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलेगा।

1,000 करोड़ से बदलेगा बाबा हरिहरनाथ मंदिर का स्वरूप

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि बाबा हरिहरनाथ मंदिर का 1,000 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास किया जाएगा। इससे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और सोनपुर को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सोनपुर मेला बिहार की सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक आस्था और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। इसकी ऐतिहासिक पहचान को सुरक्षित रखते हुए आधुनिक सुविधाओं से युक्त विश्वस्तरीय आयोजन के रूप में विकसित किया जाएगा।

22 नवंबर से 23 दिसंबर तक चलेगा मेला

पर्यटन विभाग, बिहार सरकार की ओर से आयोजित सोनपुर मेला-2026 का आयोजन 22 नवंबर से 23 दिसंबर तक किया जाएगा। कार्यक्रम में सांसद राजीव प्रताप रूडी और जनार्दन सिंह सिग्रीवाल सहित कई जनप्रतिनिधियों ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, विभिन्न विभागों के मंत्री, विधायक, विधान पार्षद, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी तथा बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार को विकसित राज्य बनाने के लिए सरकार और आम लोगों को मिलकर काम करना होगा। सरकार राज्य के समग्र विकास और बिहार को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

